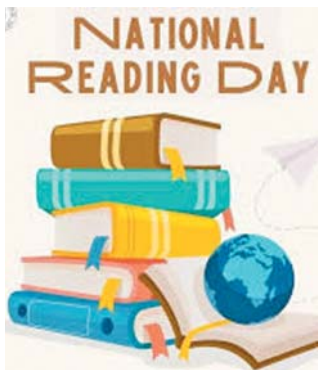

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 306/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 19 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

तिरुपति बालाजी के अलौकिक दर्शन पाकर हुई अद्भुत अनुभूति

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल सपरिवार पिछले दिन तिरुपति बालाजी पहुंचे। उन्होंने यहां दर्शन के बाद कहा, तिरुपति बालाजी के अलौकिक दर्शन पाकर हुई अद्भुत अनुभूति हुई जय गोविंदा।

28 जून तक तो चरम पर ही रहेगा इजराइल ईरान युद्ध,6 अगस्त के बाद ही होगा युद्ध विराम

भोपाल। वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य पंडित अशोक शर्मा का ज्योतिषीय आकलन है कि विश्व परिदृश्य में 2022 से युद्ध का माहौल बना हुआ है। 2022 से यूक्रेन और रूस का युद्ध चल रहा है जो अभी भी जारी है। उस समय से राहु और केतु अपनी अपनी शत्रु राशि में गोचर कर रहे थे,जो 18 मई 2025 तक अपने शत्रु ग्रहों की राशि में ही रहे।18 मई के बाद से राहु केतु अपने मित्र ग्रह की राशि में गोचर कर रहें हैं। किसी भी देश में अथवा क्षेत्र में राहु, केतु, मंगल, शनि,ये चार ग्रह यदि किसी प्रकार से आपस में संबंध बनाते हैं तो इन ग्रहों से संबंधित पृथ्वी के भू भाग में युद्ध की स्थितियां बनती हैं। पिछले कई सालों से इज़राइल और ईरान के बीच साथ ही अमेरिका के साथ ईरान की तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब भी मंगल, शनि का चतुर्थ दशम योग,समसप्तक योग और षडाष्टक योग बनता है, इनमें कहीं न कहीं राहु,केतु का प्रभाव भी अगर आ जाता है तो इन विशेष परिस्थितियों में युद्ध अथवा युद्ध का उन्माद पैदा होता ही है। अभी 30 मार्च से शनि मीन राशि में गोचर कर रहा है। 6 अगस्त के बाद ही युद्ध विराम होगा।

मैं लापता होना चाहता हूं अभिषेक बच्चन के अजीब पोस्ट से फैंस बेचैन

मुंबई। अमिताभ बच्चन अक्सर सोशल मीडिया पर क्रिप्टिक पोस्ट करते हुए नजर आते हैं। इस बार फिर अभिषेक बच्चन ने एक पोस्ट शेयर किया है, जिससे फैंस चिंता में पड़ गए हैं और पूछ रहे हैं कि आखिर क्या हुआ? वहीं, एक्टर

के लापता होने की बात करने पर कुछ यूजर्स ने उनका मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। बिग बी की इस आदत से तो अब सभी फैंस वाकिफ हो गए हैं। हालांकि, उनके बाकी फैमिली मेंबर्स सोशल मीडिया पर बेहद कम एक्टिव नजर आते हैं। कोई भी रूमर्स क्यों न फैल रही हों, लेकिन बच्चन फैमिली की तरफ से सफाई देते हुए कोई पोस्ट सामने नहीं आता। ऐसे में अब अभिषेक बच्चन का एक ऐसा पोस्ट सामने आया है, जिसे देख फैंस भी चौंक गए हैं। अभिषेक बच्चन सोशल मीडिया पर बड़ी अजीब सी बातें करते हुए नजर आ रहे हैं।

इंडिगो फ्लाइट 6ई 2006 की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली। देश में हाल के दिनों में विमानों की आपात लैंडिंग की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। गुरुवार जून को दिल्ली से लेह जा रही इंडिगो फ्लाइट 6ई 2006 को तकनीकी खराबी के कारण इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में

चालक दल सहित करीब 180 यात्री सवार थे और सभी को सुरक्षित रूप से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। फ्लाइट ने गुरुवार सुबह दिल्ली से लेह के लिए उड़ान भरी थी। लेह पहुंचने से कुछ समय पहले पायलट को विमान में तकनीकी गड़बड़ी का पता चला। इसके बाद पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचित किया और विमान को वापस दिल्ली लाने का फैसला किया। विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और यात्रियों को कोई नुकसान नहीं हुआ।

झारखंड शराब घोटाले में कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया गिरफ्तार, एसीबी रांची ले जाएगी

रायपुर। झारखंड में बड़े शराब घोटाले से जुड़ी जांच में एक और बड़ी गिरफ़्तारी हुई है। छत्तीसगढ़ के कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया को रायपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है। झारखंड एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने यह गिरफ़्तारी की है। अदालत में पेशी

के बाद सिंघानिया को ट्रांजिट रिमांड पर रांची लाया जाएगा। मई 2022 में लागू हुई झारखंड की नई उत्पाद नीति में सिद्धार्थ सिंघानिया की सक्रिय भूमिका थी। इस नीति को छत्तीसगढ़ मॉडल के आधार पर तैयार किया गया था। उसी दौरान सिंघानिया ने झारखंड की सरकारी शराब दुकानों के लिए मैनपॉवर सप्लाई का ठेका भी हासिल किया था। बाद में विवादों के घेरे में आने के कारण राज्य सरकार ने उसकी प्लेसमेंट एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट कर दिया था। एसीबी टीम लंबे समय से सिद्धार्थ सिंघानिया से पूछताछ के लिए समन भेज रही थी, लेकिन वह जांच एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हो रहा था। आखिरकार कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट लेने के बाद एसीबी की टीम ने रायपुर पहुंचकर उसे हिरासत में ले लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्रोएशिया दौरे से ये सब हुआ हासिल

रक्षा सहयोग-डिजिटल तकनीक और व्यापार नवीकरणीय ऊर्जा पर लिया सहयोग का संकल्प

जाग्रेब। प्रधानमंत्री मोदी अपने तीन देशों के दौरे के अंतिम पड़ाव क्रोएशिया से रवाना हो गए हैं। इससे पहले पीएम मोदी के कनाडा से क्रोएशिया पहुंचने पर जाग्रेब में प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच ने हवाई अड्डे मंत्रोच्चार के बीच पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया। पीएम मोदी के इस दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम समझौतों पर सहमति भी बनी। इनमें सबसे प्रमुख रक्षा सहयोग योजना को मजबूत करने पर सहमति थी। इसके साथ ही व्यापार, नवीकरणीय ऊर्जा और अर्धचालक सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्रोएशिया में जाग्रेब के एक होटल पहुंचे जहां पर उन्होंने भारतीय प्रवासियों का अभिवादन किया और उनसे बातचीत की। अपने दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और और क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच वे उपहारों का आदान-प्रदान किया और क्रोएशिया के जाग्रेब स्थित बैंस्की ड्वोरी में एक पुस्तक

पर हस्ताक्षर किए। पीएम मोदी ने बहादुर सैनिकों को सम्मानित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविक के साथ क्रोएशिया के ज़ाग्रेब में मातृभूमि के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविक ने क्रोएशिया के ज़ाग्रेब में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं की मौजूदगी में क्रोएशिया के ज़ाग्रेब में भारत और क्रोएशिया के बीच कुछ अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। पश्चिम मामलों के विदेश सचिव तन्मय लाल ने इस बारे में बाद में जानकारी दी कि प्रतिनिधिमंडल की ओर से सहयोग के चार विषयों पर एमओयू साइन किया गया। सहयोग के ये चार क्षेत्र हैं, कृषि और उससे जुड़े क्षेत्र, विज्ञान और तकनीक, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और जगरेब यूनिवर्सिटी में हिंदी चेयर की स्थापना। लाल ने कहा, दोनों शीर्ष नेताओं ने चार एमओयू साइन किए जाने का स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ में खुलेगी नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी अमित शाह करेंगे भूमिपूजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएसएफयू) खुल रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपने 22 और 23 जून को छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान नवा रायपुर में यूनिवर्सिटी कैंपस का भूमिपूजन करेंगे। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के बारे में बताया कि नवा रायपुर में 40 एकड़ जमीन आवंटित की गई है। लगभग साढ़े 3 सौ करोड़ रुपए की लागत से विश्वविद्यालय बनेगा। भवन

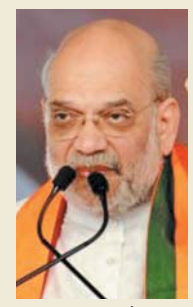

बनने के पहले यूनिवर्सिटी में इसी शैक्षणिक सत्र में पढ़ाई शुरू हो जाएगी, जिसके लिए ट्रांजिट कैंपस का भी गृह मंत्री शुभारंभ करेंगे। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपने प्रवास के दौरान प्रशासनिक बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। हालांकि, बैठक के लिए स्थान अभी तय नहीं किया गया है. इसके साथ शाह शहीद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरिपंजे के परिजनों के अलावा बस्तर में जवानों से मुलाकात करेंगे। उधर, झारखंड की राजधानी रांची भी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आगमन की तैयारी में है। 10 जुलाई को रांची में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की अहम बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे।

राहुल गांधी को पीएम ने दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आज 55वां बर्थडे है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर उनकी लंबी उम्र की कामना की है।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

खराब मौसम के कारण मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को इंदौर से वर्चुअली संबोधित किया

कुंडली के साथ-साथ हम वर-वधू का 'सिकल सेल जेनेटिक कार्ड' भी मिलाएं: मोहन यादव

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल की अध्यक्षता में विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस पर बड़वानी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे समाज में

- **प्रदेश में अब तक 1 करोड़ 6 लाख नागिरकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग पूरी**

शादी से पहले कुंडली मिलान की परंपरा है। अब समय आ गया है कि कुंडली के साथ-साथ हम वर-वधु का सिकल सेल जेनेटिक कार्ड भी मिलाएं। इस बीमारी का पता जितनी जल्दी चल जाए इसे नियंत्रण में रखने और रोगी को स्वस्थ रखने की संभावना उतनी ही अधिक होती है। प्रदेश का जनजातीय समाज बड़ी संख्या में इस बीमारी से प्रभावित है। सिकल सेल हमारे लिए केवल एक स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। वर्ष 2047 तक सिकल सेल को जड़ से मिटाने का लक्ष्य लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ÷राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047÷ प्रारंभ किया गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्क्रीनिंग, रोग प्रबंधन, परामर्श (काउंसलिंग) और जन-जागरूकता, इन चारों महत्वपूर्ण स्तरों पर प्रदेश में समन्वित रूप से कार्य किया जा रह है। प्रदेश में अब तक 1 करोड़ 6 लाख से नागिरकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग पूरी की जा चुकी है। सभी चिन्हित मरीजों को हाइड्रॉक्सी यूरिया, फॉलिक एसिड और निःशुल्क रक्तदान की सुविधा दी जा रही है। सिकल सेल रोगियों की जेनेटिक काउंसिलिंग का कार्य भी जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बड़वानी में आयोजित कार्यक्रम को इन्दौर से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव बड़वानी पहुंचने के लिए भोपाल से रवाना हुए लेकिन मौसम खराब होने के कारण वे बड़वानी नहीं पहुंच पाए और उन्होंने इन्दौर से ही कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित किया।

विश्व सिकल सेल दिवस पर बड़वानी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री महिला एवं बाल कल्याण सावित्री ठाकुर, अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य, उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, बड़वानी जिले के प्रभारी राज्यमंत्री कौशल विकास एवं रोजगार गौतम टेटवाल, राज्यमंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा नरेंद्र शिवाजी पटेल, सांसद गजेंद्र सिंह पटेल, राज्यसभा सदस्य डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, पद्मश्री महेश शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सीएम मोहन यादव की बड़ी घोषणा , दिवाली से लाड़ली बहना को मिलेंगे 1500 रुपए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को इंदौर में बड़ी घोषणा की। सीएम ने कहा कि हम लाड़ली बहना को तीन हजार रुपए प्रति माह देने के अपने संकल्प पत्र पर कायम हैं। हमने डंके की चोट पर कहा है और इसे पूरा करेंगे। यह योजना पहले 1000 रुपए प्रति माह से शुरू हुई थी फिर हमने इसे 1250 रुपए किया और रक्षाबंधन पर 250 रुपए अतिरिक्त दिए। अब हम दिवाली से इसे 1500 रुपए प्रति माह करने जा रहे हैं।

कांग्रेसी नेता सभी जमानत पर चल रहे- सीएम यादव ने कहा कि बीजेपी की सरकार जवाबदेही से चलती है। अय्याशी कांग्रेस करती है और यह उनका रिकॉर्ड है कि सभी नेता जमानत पर चल रहे हैं। बीजेपी सरकार जनता के लिए काम करती है। वहीं कांग्रेसी पार्षद अनवर कादरी उर्फ डकैत के लव जिहाद के लिए फंडिंग के मामले में फरारी पर सीएम ने कहा कि हमारी सरकार में कानून का राज चलता है, कानून तोड़ने वालों से निपटना जानते हैं, चाहे वह डकैत हो या डकैत का बाप हो।

यह अनोखी परंपरा ज्येष्ठ पूर्णिमा के स्नान के बाद शुरू होती है

माधवदास पूरी तरह ठीक हो गए, भगवान जगन्नाथ 15 दिन तक बीमार पड़ गए

पुरी। ओडिशा के पुरी स्थित विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ हर साल 15 दिन के लिए बीमार पड़ जाते हैं। यह अनोखी परंपरा ज्येष्ठ पूर्णिमा के स्नान के बाद शुरू होती है, जो इस साल 12 जून को थी। इस दौरान भगवान एकांतवास में चले जाते हैं, और मंदिर भक्तों के लिए बंद हो जाता है। 27 जून को शुरू होने वाली रथयात्रा के दिन ही भक्तों को उनके दर्शन मिलेंगे। इस रहस्यमयी परंपरा के पीछे भक्त माधवदास की भक्ति और भगवान की करुणा की एक मार्मिक कहानी छिपी है, जो हर श्रद्धालु का दिल छू लेती है।

क्यों बीमार पड़ते हैं भगवान जगन्नाथ?- हर साल ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन पुरी मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को 108 कलशों से स्नान कराया जाता है, जिसे स्नान पूर्णिमा कहा जाता है। इस स्नान के बाद तीनों देवता 15 दिन के लिए अनवसर यानी बीमार हो जाते हैं। इस दौरान वे एकांतवास में रहते हैं, और मंदिर के पुजारी और वैद्य विशेष आयुर्वेदिक औषधियों से उनका इलाज करते हैं। मंदिर के कपाट भक्तों के लिए बंद रहते हैं, और केवल चुनिंदा सेवक ही भगवान की सेवा में लगे रहते हैं।

15 दिन की पीड़ा ले ली भगवान ने- भगवान जगन्नाथ ने माधवदास से कहा कि उनके प्रारब्ध में बचे 15 दिन का रोग अब वे स्वयं सहन करेंगे। इसके बाद भगवान ने माधवदास की बीमारी अपने ऊपर ले ली, जिससे माधवदास पूरी तरह ठीक हो गए, लेकिन भगवान बीमार पड़ गए। यह घटना ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन हुई थी। तभी से परंपरा बन गई कि ज्येष्ठ पूर्णिमा के बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, और सुभद्रा 15 दिन तक बीमार रहते हैं और एकांतवास में चले जाते हैं। इस दौरान वैद्य और पुजारी उनकी सेवा करते हैं, और भगवान आयुर्वेदिक औषधियों से स्वस्थ होते हैं।

40 जिलों में बारिश

झारखंड में रेड अलर्ट, रांची में स्कूल बंद
भोपाल-इंदौर में आंधी-बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड के बाद मानसून ने राजस्थान-उत्तर प्रदेश में भी एंट्री ले ली है। मानसून ने 3 दिन में 6 राज्यों को कवर किया है। पूर्वी 13 जिलों में आज भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

राजस्थान में बुधवार को मानसून की एंट्री हुई। मौसम विभाग ने गुरुवार को 27 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें से 5 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। अगले 4 दिन दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में बारिश होगी।

मध्यप्रदेश के 54 जिलों में मानसून पहुंच गया है। आखिरी बचे भिंड जिले में भी आज मानसून की एंट्री हो जाएगी। ग्वालियर और चंबल में भारी बारिश का अलर्ट है। भोपाल-इंदौर में भी आंधी-बारिश की संभावना है।

झारखंड में आज तेज भारी का रेड अलर्ट

जारी किया है। भारी बारिश के अनुमान के चलते रांची के सभी स्कूल गुरुवार को बंद रहेंगे। बुधवार को खराब मौसम के कारण रांची से 4 फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ीं।

मौसम विभाग ने गुरुवार को गुजरात, ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़, कोंकण-गोवा, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, सौराष्ट्र-कच्छ, कर्नाटक और केरल के लिए बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सेवा दिवस के रूप में मनाया राहुल गांधी का जन्मदिवस

भोपाल। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भोपाल स्थित एम्स अस्पताल के बाहर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने अस्पताल परिसर के बाहर उपस्थित बच्चों के साथ केक काटकर जन्मदिवस मनाया और उनके साथ खुशियाँ साझा कीं। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जातिगत जनगणना की मांग को मजबूती देने और सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदम उठाने के लिए श्री राहुल गांधी जी का आभार व्यक्त किया। साथ ही, जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर मानवता और सेवा भावना का संदेश दिया गया। इस सेवा कार्यक्रम में मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी राज्यसभा सांसद अशोक सिंह पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना चंद्रक्रांत दुबे गुड्डू चौहान प्रकाश चौकसे सोनू भाबा प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी अभिनव बरोलिया राहुल राठौर योगेश सराठे की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह आयोजन कांग्रेस की सेवा, समानता और न्याय के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल रही।

विशाल भंडारे के साथ में सुंदरकांड संपन्न हुआ

भोपाल। शिव पार्वती जन सेवा समिति बंजारा बस्ती गांधीनगर द्वारा शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में विशाल भंडारा एवं सुंदरकांड का आयोजन किया गया इसमें समस्त नगर वासी उपस्थित रहे समिति की अध्यक्ष राधा राजपूत जी ने बताया की समस्त बस्ती वासियों एवं नगर वासियों का सहयोग के माध्यम से यह विशाल आयोजन तथा संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवी सनातन हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष योगीराज देवेंद्र योगी ने सनातन की अलख जगाने के लिए समिति अध्यक्ष राधा राजपूत एवं समस्त समिति को शुभकामनाएं देते हुए इस आयोजन के लिए सभी को शुभकामनाएं दी इस अवसर पर भाजपा गांधीनगर मंडल के उपाध्यक्ष मनोज धूंसार विशेष रूप में उपस्थित रहे समिति के प्रमुख लोगों में गंगाराम सिसोदिया बाबूलाल सिसोदिया जी पप्पू सिसोदिया जी बंसी सिसोदिया जी बने सिंह सिसोदिया जी प्रभु लाल सिसोदिया जी भूरालाल सिसोदिया जी तेज दायमा जी हेमा सिसोदिया शेर सिंह सिसोदिया जी रहते हुए विशेष सहयोग में हिरदेश अग्रवाल परमीत अग्रवाल निधि अग्रवाल शिल्पी चौरसिया नागबू बाई सिया भाई पटवा आदि लोग विशेष रूप से उपस्थित आदि लोग उपस्थित रहे हैं यह जानकारी समिति अध्यक्ष राधा राजपूत ने दी।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बालक-बालिकाओं को किया सम्मानित

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन

भोपाल। बुधवार को तात्या टोपे स्टेडियम से खेल एवं युवा कल्याण विभाग के ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2025 विशेष समर कैंप के समापन हुआ। इस अवसर पर विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में खेल संचालक श्री राकेश गुप्ता ने कहा कि यह शिविर राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए एक सशक्त मंच साबित हुआ है, जहाँ उन्हें केवल खेल प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि बौद्धिक, शारीरिक और आध्यात्मिक विकास के भी समग्र अवसर प्रदान किए गए। कार्यक्रम में संयुक्त संचालक श्री बी.एस. यादव सहित खेल अधिकारी व अभिभावक गण उपस्थित थे। खेल संचालक श्री गुप्ता ने बताया कि पूर्व में आयोजित पारंपरिक ग्रीष्मकालीन खेल शिविर को इस वर्ष एक नवाचारपूर्ण स्वरूप दिया गया। पहली बार ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2025 को नवीन प्रारूप में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य केवल खेल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व विकास और मानसिक सशक्तिकरण पर भी विशेष बल दिया गया। खेल संचालक श्री गुप्ता ने बताया कि इस शिविर में विद्यार्थियों को व्हॉलीबॉल, जिम्नास्टिक, जूडो, ताईक्वांडो, बॉक्सिंग, कबड्डी, तलवारबाजी, कराते, मल्लखम्ब, टेबल टेनिस, स्केटिंग, कुश्ती, लॉन टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, बास्केटबॉल, एरोबिक, स्क्वैश, एथलेटिक्स और शूटिंग (राइफल/पिस्टल) का व्यापक प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही छात्रों के शारीरिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास के लिए योग, ध्यान, नेतृत्व कार्यशालाएं, संवाद सत्र और नैतिक शिक्षा जैसी गतिविधियाँ भी सम्मिलित की गईं, जो उन्हें एक सशक्त, संतुलित और जागरूक नागरिक बनाने की दिशा में कारगर सिद्ध होंगी।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2025 के समापन समारोह में शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बालक-बालिकाओं को सम्मानित किया गया। जिसमें बास्केटबॉल में कुशाल भट्ट व जेसिका जाटव, कराते में वेदांत लखेरा व समायरा शेख, फुटबॉल में नितिन गौर व तनु परिहार, बॉक्सिंग में श्लोक व दीक्षा सेन, कबड्डी में कनिश जोशी व पलक राजपूत, ताइक्वांडो में राकेश शाक्य व अक्षरा वारे, स्केटिंग में आदित्य यादव व हर्षिता कुशवाहा, फेंसिंग में मुकेश साहू व वंशिका पवार, टेबल टेनिस में सुर्यांश ठाकुर व भाव्यश्री, जूडो में बाबा विश्वकर्मा व नंदनी फरकिया, बेडमिंटन में वेदान्य सेन व अन्नया शर्मा, लॉन टेनिस में अमृत भुरतेल व निकिता यादव, मल्लखम्ब में मयंक सेन व दीवा अरूण भारद्वाज, एथलेटिक्स में सत्यम गौर व नंदिनी चौहान, व्हॉलीबॉल में अक्षत पटेल व अंशिका रघुवंशी, कुश्ती में राज प्रजापति व रिषिका यादव, जिम्नास्टिक में मोहक परमार व अदवीका चौहान तथा वेटलिफ्टिंग में विशाल यादव व जया गोस्वामी को पुरस्कृत किया गया।

श्रीरामचरितमानस - विचार

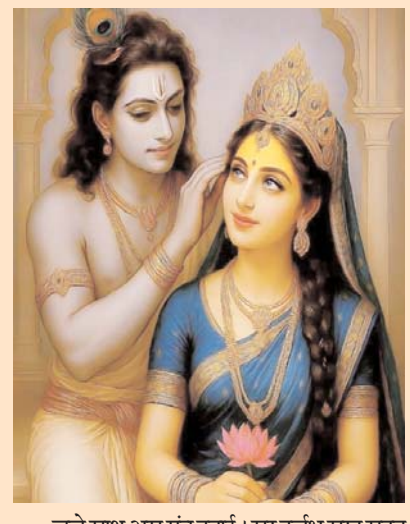

चले साथ अस मंत्रु दृढाई। सुर दुर्लभ सुख सदन बिहाई राम चरन पंकज प्रिय जिन्हही। बिषय भोग बस करहिं कि तिन्हही ।।

(अयोध्याकाण्ड 83/4)

राम जी सबको समझाकर वन चल पड़े हैं। सबने विचार किया कि राम जी के बिना अयोध्या में हमारा कोई काम नहीं है। देवताओं को भी दुर्लभ सुखों से युक्त घरों को छोड़कर सब राम जी के साथ चल पड़े हैं। जिन्हें राम चरण प्रिय होता है, उन्हें विषय भोग क्या अपने वश में कर सकते हैं ? मित्रों ! जब राम चरण प्रिय हो जाते हैं, तब विषय भोग अप्रिय हो जाते हैं। अतः विषयों के वश से, बंधन से मुक्ति चाहते हैं तो राम चरणों में प्रेम करें। अतएव ! जय जय राम चरण, सीताराम चरण ??

भगवान श्री झूलेलाल कथा एवं सामूहिक 251 पूज्य बहिराणा साहिब के लिए कमेटी गठित

संत हिरदाराम नगर। भगवान श्री झूलेलाल कथा एवं सामूहिक 251 पूज्य बहिराणा साहिब के लिए कमेटी गठित करके उनके प्रभारी नियुक्त किए गए। पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी की अध्यक्षता में स्वामी शांतिप्रकाश धर्मशाला में बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें कार्यक्रम संयोजक निर्मल गंगनानी, सह संयोजक लख्खू अंदानी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 21 जून को शाम 5 बजे झूलेलाल मंदिर एच वार्ड से कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश बनाने व महिलाओं की व्यवस्था के लिए किरण वाधवानी व भारती मूलचंदानी को प्रभारी बनाया गया है। कार्यक्रम के व्यवस्थापक जयरामदास दावानी रहेंगे। 24 जून को झूलेलाल विसर्जन घाट पर सामूहिक 251 बहिराणा साहिब के पूजा अर्चना कार्यक्रम रखा गया है। कार्यक्रम के संचालन का प्रभारी पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी को बनाया गया है। कथा 21, 22 व 23 जून को वन ट्री हिल्स स्थित संत हिरदाराम हाल में शाम 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक रहेगी। उसके पश्चात् आम भंडारे का आयोजन रहेगा।

ट्रैफिक व्यवस्था में होगा सुधार, ई-रिक्शा संचालन लिए बनाई जाएगी नई व्यवस्था

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजधानी में ई-रिक्शा संचालन के लिए पॉलिसी बनाई जाएगी। ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार को लेकर भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने बुधवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र और नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण के साथ बैठक की है। राजधानी भोपाल में इस समय ट्रैफिक जाम की सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है। जगह-जगह ई रिक्शा चलने के कारण जाम की स्थिति बन रही है।

ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार को लेकर भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने बुधवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र और नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण के साथ बैठक की। सांसद शर्मा ने कहा की ई-रिक्शा संचालन की कोई पॉलिसी नहीं होने की वजह से सड़कों पर जगह-जगह ई-रिक्शा खड़े हो जाते हैं। इनकी स्पीड धीमी होने की वजह से गाड़ियां नहीं निकल पाती है और सड़कों पर जाम की स्थिति बनती है। सांसद शर्मा ने बताया कि खासतौर पर शहर के मुख्य मार्गों पर यातायात बाधित होने से लोगों को

समय पर एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन पहुंचने में भी दिक्कत होती है। इसलिए ई-रिक्शा संचालन के लिए पॉलिसी बनाई जाएगी। शर्मा ने सड़कों पर खड़े कंडम वाहनों को हटाने को लेकर भी चर्चा की। जिस पर कलेक्टर ने बैठक में उपस्थित सभी एसडीएम को निर्देशित किया है कि अपने-अपने क्षेत्र में ट्रेंचिंग यार्ड बनकर कंडम वाहनों को सड़क से हटाएं। इसके लिए 20 जून से 15 दिन का अभियान चलाने की निर्देश दिए हैं। सांसद ने बैठक में कलेक्टर और कमिश्नर को बताया कि फुटपाथ लोगों को चलने के लिए बनाए जाते हैं, जबकि इन पर सब्जी के ठेले, फल के ठेले और अन्य तरह के अतिक्रमण लोगों ने कर लिए हैं। यहां तक कि नगर निगम द्वारा बनाई गई नालियों के ऊपर भी अतिक्रमण कर लिया गया है। इन्हें हटाया जाना चाहिए। जिससे कि यातायात सुगम बने। इस पर भी कलेक्टर ने सहमति दी है। अतिक्रमण हटाने के लिए कलेक्टर के निर्देश पर अतिक्रमण दस्ता गठित किया जाएगा। जिसका प्रभारी एडीएम को बनाया जाएगा। पुलिस के एडिशनल डिप्टी कमिश्नर, नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर, अथवा डिप्टी कमिश्नर, संबंधित क्षेत्र के एसडीएम और पुलिस के एसीपी, थाना प्रभारी अतिक्रमण दस्ता में शामिल रहेंगे। इसके साथ ही दस्ते में मोबाइल कोर्ट और एक मजिस्ट्रेट भी शामिल होंगे। इसके लिए पॉलिसी तैयार की जा रही है। शहर के प्रमुख चौराहों पर लेफ्ट टर्न की समस्या सुधारने के लिए दो रोटरियां तुरंत हटाने का भी निर्णय लिया गया है। जिनमें नेहरू नगर चौराहा और साढ़े दस नंबर की रोटरी शामिल है। आने वाले समय में इसका पूरा प्लान बनाकर भोपाल शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर लेफ्ट टर्न की समस्या को हल किया जाएगा। इसके लिए पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के अधिकारियों को प्लान बनाने के लिए निर्देशित किया गया है।

मां आशापुरा दरबार में स्व सुरक्षा एवं संस्कार शिविर का समापन

संत हिरदाराम नगर। संस्था श्री मां आशापुरा दरबार द्वारा संस्थापिका गीता माता के सानिध्य में पांच दिवसीय स्व सुरक्षा एवं संस्कार शिविर का भक्ति शर्मा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कोहेफिजा स्थित आशापुरा दरबार में आयोजित शिविर में उपस्थित दरबार के भक्तों को प्रतिदिन मार्शल आर्ट की एक घण्टें की कलास के साथ, जीवन में कैसे आदि व्याधियों से बच कर कैसे सादगी एवं शान्ति से जीवन व्यतीत करें कैसे ईश्वर द्वारा प्रदत्त जीवन को सफल बनायें पर प्रतिदिन एक घण्टें का स्वाध्याय उपस्थित युवक युवतियों को दिया जाता रहा। समापन अवसर पर गीता माता ने अपने आर्शीवचन में स्वच्छ विचारों, सकारात्मक सोच स्वंय की रक्षा-सुरक्षा के साथ प्रतिदिन के परिधानों के पहनावे पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पहनावा सदैव अपने देश की संस्कृति अनुरूप ही पहनना चाहिये, प्रत्येक माता-पिता को बचपन से ही अपने बच्चों को संस्कृति के अनुरूप पहनावे की और देना चाहिए।

वीरांगना के सम्मान के लिये प्रदेश सरकार तत्पर: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विभिन्न विभूतियों का किया सम्मान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वीरांगना लक्ष्मीबाई की शौर्यगाथा जन-जन तक पहुँचना चाहिए। ग्वालियर में पिछले 26 वर्षों से महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित होने वाला बलिदान मेला एक सार्थक प्रयास है। बलिदान मेले के आयोजन के लिये सरकार पूरा सहयोग करेगी। इसके साथ ही वीरांगनाओं के जीवन पर आधारित नाट्य मंचनों के लिये पाँच लाख रूपए की धनराशि देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल जी के जन्म शताब्दी वर्ष पर उनके सम्मान में ग्वालियर में मंत्री परिषद की बैठक होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 167वी वर्षगांठ के अवसर पर महारानी लक्ष्मीबाई बलिदान मेले में शहीद मंगल पाण्डेय के साथी दुर्गा सिंह के वंशज, शौर्य चक्र प्राप्त शहीद विवेक सिंह तोमर की धर्मपत्नी एवं नेशनल क्रिकेटर कु. वैष्णव शर्मा को भी सम्मानित किया। बलिदान मेले के अवसर पर पूज्य महंत श्री रामदास जी महाराज दंदरौआ सरकार, प्रदेश के संस्कृति मंत्री श्री धर्मेन्द्र लोधी, बलिदान मेला के संस्थापक अध्यक्ष श्री जयभान सिंह पवैया, प्रदेश के उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, प्रदेश महामंत्री संगठन श्री हितानंद शर्मा, क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य आरएसएस श्री यशवंत इन्द्रापुरकर, पूर्व सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, पूर्व मंत्री श्री अनूप मिश्रा, सभापति नगर निगम श्री मनोज तोमर, पूर्व मंत्री श्री रामनिवास रावत, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर श्री जयप्रकाश राजौरिया, ग्रामीण अध्यक्ष श्री प्रेम सिंह राजपूत सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार हमेशा वीरांगनाओं के सम्मान के लिए समर्पित रही है, वीरांगना के रूप में साक्षात् देवी दुर्गा ने धरती पर जन्म लेकर हमारे मध्य प्रदेश के ग्वालियर की भूमि पर अपना बलिदान दिया, यह भूमि हमारे लिए तीर्थ के समान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर की धरती पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान विभूतियों ने देश के विकास में अतुलनीय कार्य किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में नई शिक्षा नीति लागू कर युवाओं को देश की शौर्य गाथाओं, संस्कृति, संगीत एवं अन्य विधाओं से अवगत कराने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। प्रदेश सरकार अटल बिहारी वाजपेयी की नदी जोड़ों योजना पर तेजी से कार्य कर रही है। इस योजना का सबसे ज्यादा लाभ ग्वालियर-चंबल संभाग को मिलेगा। साथ ही ग्वालियर में शीघ्र ही टेक्नोलॉजी हब भी स्थापित होगा, जिससे अनेकों अनेक युवाओं को रोजगार मिल सकेगा। वीरांगना मेला के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया ने कहा कि 166 साल पहले ग्वालियर की इसी धरा पर वीरांगना लक्ष्मीबाई ने भारत माता के चरणों में अपनी आहुति दी थी। बलिदान मेला देश भक्ति जगाने का अनुष्ठान एवं महायज्ञ है। वर्ष 2000 से यह आयोजन निरंतर किया जा रहा है। श्री पवैया ने कहा कि बलिदान मेला जिस स्थान पर आयोजित किया जाता है इस धरा पर महारानी लक्ष्मीबाई का रक्त शामिल है। यह धरती जमीन का टुकड़ा नहीं बल्कि चंदन है। उन्होंने बलिदान मेले के आयोजन के संबंध में जानकारी भी दी।

बलिदान मेले के गरिमापूर्ण कार्यक्रम में वीरांगना लक्ष्मीबाई पर केन्द्रित महानाट्य की प्रस्तुति दी गई, जिसे दर्शकों द्वारा बेहद सराहा गया। इसके साथ ही कवि सम्मेलन का भी आयोजन हुआ।

एएसपी-डीएसपी से लेकर एसआई तक को करना होगी मिड कैरियर ट्रैनिंग

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में पुलिस अफसर की ट्रैनिंग के लिए नई पॉलिसी तैयार की गई है। अब एएसपी-डीएसपी से लेकर एसआई तक को मिड कैरियर ट्रैनिंग करना होगी।

पुलिस ट्रैनिंग शाखा प्रदेश के पुलिस अफसरों और जवानों को प्रशिक्षण देने के लिए नई पॉलिसी लेकर आया है। इस पॉलिसी में सिफारिश की गई है कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डीएसपी से लेकर उपनिरीक्षक तक को मिड कैरियर ट्रैनिंग प्रोग्राम करवाया जाए। डीएसपी या एएसपी के लिए नेशनल लेवल की यूनिवर्सिटी और निरीक्षक, उपनिरीक्षको के लिए राज्य स्तर के विश्वविद्यालय की सिफारिश इस पॉलिसी में की जाने वाली है। मिड कैरियर ट्रैनिग प्रोग्राम (एमसीटीपी) के तहत राष्ट्रीय प्रतिष्ठित विवि की भागीदारी के माध्यम से आठ साल की सेवा पर डीएसपी और 12 साल की सेवा पर एएसपी के लिए यह कोस शुरू किया जाना चाहिए। इन अधिकारियों को इसमें बताया जाना चाहिए कि बड़े शहर की पुलिसिंग कैसे की जाती

है, किसी संघर्ष के दौरान कानून व्यवस्था को कैसे नियंत्रित रखा जाता है। संचार के माध्यमों का तत्काल कैसे उपयोग कानून व्यवस्था में हो सकता है एवं नेतृत्व कौशल के लिए विशेष ट्रैनिंग दी जाना चाहिए।

वहीं आठ साल की सेवा पर उपनिरीक्षक और 16 साल की सेवा के बाद निरीक्षकों को भी एमसीटीपी करवाया जाना चाहिए। यह एक राज्य आधारित प्रतिष्ठित विवि के माध्यम से करवाए जाने की सिफारिश की गई है। वहीं यह भी सलाह इसमें दी गई है कि हर जिले में एक मेंटर्स का कैडर भी तैयार किया जाना चाहिए। जिसमें एक सावधानी पूर्वक सर्वेक्षण किया जाना चाहिए, इन मेंटर्स से आईपीएस से लेकर रंगरूट तक जरुरत पड़ने पर सलाह ले सके। पदोन्नति पूर्व पाठ्यक्रमों और सेवाकालीन पाठ्यक्रमों को पूरा करने के लिए क्षेत्रीय जिला मुख्यालय लाइन या नियंत्रण कक्ष में अतिरिक्त कमरे जोड़कर संभाग स्तर पर प्रशिक्षण केंद्र विकसित किए जाने की भी सिफारिश इस पॉलिसी में की गई है।

अभी 12 साल में एक बार होती है ट्रैनिंग

प्रदेश पुलिस में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और डीएसपी संवर्ग के अफसरों की मिड कैरियर ट्रैनिंग एक बार ही होती है। वह भी 12 साल की सेवा पूरी होने के बाद, इस सेवाकाल तक डीएसपी पदोन्नत होकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बन जाते हैं। जबकि डीएसपी में मिड कैरियर ट्रैनिंग नहीं दी जाती। इधर उपनिरीक्षक से लेकर निरीक्षक तक भी मिड कैरियर ट्रैनिंग करवाने का कोई नियम या व्यवस्था प्रदेश पुलिस में नहीं हैं। इसलिए जो पॉलिसी बनाई गई है, उसमें इसकी सिफारिश की गई है।

वीरांगना लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर कार्यक्रम

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रकल्प भारतीय सदभावना,भाईचारा एवम सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली में भारतीय सद्भावना मंच के द्वारा वीरांगना लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख संरक्षक देवर्षि डाक्टर इंद्रेश कुमार, साध्वी मां कल्पना अरुंधति, संयोजक भारतीय सदभावना मंच पंडित विष्णु राजोरिया, चेयरमैन परशुराम बोर्ड मध्य प्रदेश शासन एवं अन्य वरिष्ठ आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति में श्री माता वैष्णो देवी भक्त सेवा समिति के सेवादार महासचिव आयुष खण्डेलवाल को उद्बोधन देने के लिए अवसर दिया।

सिकल सेल रोग उन्मूलन के राष्ट्रीय संकल्प को मध्यप्रदेश दृढ़ता से कर रहा है साकार: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ●

भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष-2047 तक देश को सिकल सेल मुक्त बनाने के लक्ष्य को लेकर हम सब एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। सिकल सेल रोग के उन्मूलन के राष्ट्रीय संकल्प को मध्यप्रदेश दृढ़ता से साकार कर रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सिकल सेल एक आनुवांशिक एवं असाध्य रक्त विकार है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी स्थानांतरित होता है। इसमें लाल रक्त कणिकाएँ अर्द्धचंद्राकार हो जाती हैं, जिससे ऑक्सीजन प्रवाह बाधित होता है और व्यक्ति को तीव्र दर्द, संक्रमण व अंग क्षति जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यह रोग विशेषकर जनजातीय समुदायों में अधिक व्यापक है और मध्यप्रदेश जैसे जनजातीय बाहुल्य राज्य के लिए एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर 19 जून को बड़वानी में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में राज्यपलाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। इस अवसर पर प्रदेश के 33 सिकल प्रभावित जिलों में परामर्श, स्क्रीनिंग, रोग प्रबंधन और निःशुल्क उपचार हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही सिकल सेल उन्मूलन के प्रयासों को और सशक्त किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश को सिकल सेल मुक्त बनाएंगे। हर नागरिक की स्क्रीनिंग कराएं, विवाह पूर्व सिकल सेल कार्ड को अनिवार्य रूप से अपनाएं और समाज में संकोच नहीं, समाधान का संदेश फैलाएं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार ने सिकल सेल उन्मूलन को स्वास्थ्य न्याय का विषय मानते हुए इसे मिशन मोड में अपनाया है। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि मध्यप्रदेश आज सिकल सेल स्क्रीनिंग में देश में प्रथम स्थान पर है। अब तक 1 करोड़ 6 लाख से अधिक नागरिकों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। 2 लाख से अधिक सिकल सेल वाहक एवं 29,277 रोगी चिन्हित हुए हैं। 80 लाख 9 हज़ार से अधिक सिकल सेल कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। 26,115 मरीजों को हाइड्रॉक्सी यूरिया दवा से उपचार उपलब्ध कराया गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सभी चिन्हित रोगियों को निःशुल्क दवा, टीकाकरण, रक्ताधान और जेनेटिक परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। एम्स भोपाल में नवजातों की 72 घंटे में जांच हेतु विशेष प्रयोगशाला कार्यरत है। इंदौर मेडिकल कॉलेज में 100 से अधिक बोनमेरो ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किए गए हैं। रीवा में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर प्रीनेटल डायग्नोसिस ऑफ हीमोग्लोबिनोपैथीज़ प्रभावी रूप से कार्यशील है। इसके अतिरिक्त, जनजातीय स्कूलों, छात्रावासों और महाविद्यालयों में नियमित रूप से स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है ताकि रोग की पहचान प्रारंभिक स्तर पर हो सके और प्रभावी उपचार सुनिश्चित किया जा सके।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आग्रह किया है कि कुंडली मिले या न मिले, शादी से पहले सिकल सेल कार्ड जरूर मिलाएं। उन्होंने कहा कि यदि दोनों युवा सिकल सेल वाहक होते हैं तो उनके बच्चों में गंभीर सिकल सेल रोग होने की संभावना बहुत अधिक होती है। अतः विवाह से पहले सिकल सेल जांच कराना केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के स्वास्थ्य की रक्षा का एक सामाजिक उत्तरदायित्व है।

आरआर पटेल ने अपने कामों से खींची लंबी लकीर, सोमवार तक ज्वाइन कर सकते हैं पुष्पेंद्र वास्कले

इंदौर। संभागीय जनसंपर्क कार्यालय इंदौर में पदस्थ संयुक्त संचालक डॉक्टर आर आर पटेल का तबादला मुख्यालय भोपाल हो गया है। पत्रकारों के हितैषी और अपने कर्तव्य के प्रति सदैव सजग रहने वाले डॉक्टर पटेल ने इंदौर में 8 वर्षों का लंबा कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया है। उन्होंने वर्ष 2017 से लेकर अभी तक इंदौर संभाग में 6 कमिश्नर और पाँच कलेक्टर के साथ में काम किया है। उन्होंने इंदौर में हुए राष्ट्रपति प्रधानमंत्री के अनेक कार्यक्रमों में अपने कुशल मीडिया मैनेजमेंट से शासन प्रशासन का काम आसान किया वहीं पत्रकारों के लिए भी हमेशा सुलभ और सुविधापूर्ण रहे।न केवल इंदौर अपितु इंदौर संभाग के सभी ज़िलों में सभी विशिष्ट कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति रहती थी। जनसंपर्क विभाग में वे संभावनाशील अधिकारी हैं। जिनकी क्षमता

और प्रशासनिक दक्षता पर सदेह नहीं किया जा सकता। सिंहस्थ-28 को देखते हुए उम्मीद है जनसम्पर्क संचालनालय में वे आने वाले समय में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पटेल को इस नंबर 94251 75737 पर बधाई दी जा सकती है। मीडिया जगत की ओर से उनके उज्जवल भविष्य की कामना। बालाघाट में पदस्थ जनसंपर्क विभाग के उप संचालक पुष्पेंद्र वास्कले सोमवार को उप संचालक इंदौर का पदभार ग्रहण करेंगे। आलीराजपुर, दतिया, बालाघाट, खरगोन के साथ ही वास्कले सिंहस्थ16 में उज्जैन में भी पदस्थ रहे हैं। उन्हें इस नंबर 73540 20310 पर बधाई दी जा सकती है।

टाइगर रिजर्व में बढ़ी विदेशी पर्यटकों की संख्या, वन्य-जीव पर्यटन बना विशेष आकर्षण का केन्द्र

भोपाल। वन्य-जीव पर्यटन में मध्यप्रदेश विशेष आकर्षण का केन्द्र बनकर उभरा है। टाइगर रिजर्व में देशी और विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। प्रदेश के टाइगर रिजर्व में वर्ष 2024-25 में बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 32 हजार 528, कान्हा टाइगर रिजर्व में 23 हजार 59, पन्ना टाइगर रिजर्व में 15 हजार 201, पेंच टाइगर रिजर्व में 13 हजार 127 और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में 10 हजार 38 विदेशी पर्यटक आये। जबकि गत वर्ष 2023-24 में बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में विदेशी पर्यटकों की संख्या 25 हजार 894, कान्हा टाइगर रिजर्व में 18 हजार 179, पन्ना टाइगर रिजर्व में 12 हजार 538, पेंच टाइगर रिजर्व में 9 हजार 856 और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में 6 हजार 876 थी।

बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व पर्यटकों की पहली पसंद बन रहा है। टाइगर रिजर्व में पर्यटकों की संख्या में प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है। वर्ष 2020-21 में भारतीय पर्यटकों की संख्या एक लाख 20 हजार 800, वर्ष 2021-22 में एक लाख 69 हजार 738, वर्ष 2022-23 में एक लाख 64 हजार 559, वर्ष 2023-24 में एक लाख 23 हजार 32 और वर्ष 2024-25 में माह मई तक एक लाख 60 हजार 500 रही। साथ ही विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। वर्ष 2020-21 में 109 (कोविड काल), वर्ष 2021-22 में 5 हजार 945, वर्ष 2022-23 में 21 हजार 266, वर्ष 2023-24 में 25 हजार 894 और वर्ष 2024-25 में माह मई तक 32 हजार 528 विदेशी पर्यटक आये। यानि कुल 5 वर्ष में भारतीय पर्यटकों की संख्या 7 लाख 38 हजार 637 और विदेशी पर्यटकों की संख्या 85 हजार 742 रही। इस प्रकार कुल 8 लाख 24 हजार 379 पर्यटकों की संख्या रही। इन पर्यटकों से वर्ष 2020-21 में लगभग 4 करोड़ 65 लाख, वर्ष 2021-22 में 11 करोड़ 88 लाख, वर्ष 2022-23 में 13 करोड़ 90 लाख, वर्ष 2023-24 में 14 करोड़ 10 लाख और वर्ष 2024-25 में मई माह तक 16 करोड़ 67 लाख, इस प्रकार कुल 5 वर्षों में टाइगर रिजर्व की लगभग 61 करोड़ 22 लाख की आय प्राप्त हुई।

उच्च शिक्षा संस्थानों में 5 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने प्रवेश के लिए कराया पंजीयन

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में सत्र 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया के प्रथम चरण में अब तक लगभग 1 लाख 33 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया है। इनमें एनसीटीई पाठ्यक्रमों में लगभग 14 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया है। स्नातक के लिए लगभग 90 हजार एवं स्नातकोत्तर के लिए लगभग 30 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश शुल्क जमा कर दिया है। कुल 1 लाख 20 हजार विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा संस्थानों में अपना प्रवेश शुल्क जमा कर दिया है। उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत पिछले वर्ष सत्र 2024- 25 प्रथम चरण में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में 96 हजार विद्यार्थियों एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में लगभग 11 हजार, इस प्रकार कुल 1 लाख 7 हजार विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किया था। पिछले वर्ष की तुलना में सभी पाठ्यक्रमों में प्रथम चरण में प्रवेश संख्या में वृद्धि हुई है। द्वितीय चरण के पंजीयन के लिए बुधवार अंतिम तिथि थी, पंजीयन के अंतिम दिन शाम 6 बजे तक लगभग एक लाख विद्यार्थियों ने पंजीयन कर लिया है। इसमें स्नातक में लगभग 55 हजार, स्नातकोत्तर में 23 हजार, एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में लगभग 20 हजार विद्यार्थियों ने द्वितीय चरण में पंजीयन कराया है। अब तक कुल 5 लाख 15 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश के लिए पंजीयन कर लिया है। पिछले वर्ष दोनों चरणों में कुल 3 लाख 50 हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था। पिछले वर्ष की तुलना में इस सत्र में लगभग 2 लाख अधिक रजिस्ट्रेशन हुए हैं।

एक माह में 100 से अधिक राजस्व न्यायालयों की ऑनलाईन समीक्षा, 74 हजार से अधिक राजस्व प्रकरण हुए निराकृत

भोपाल। जबलपुर संभाग में राजस्व न्यायालयों के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए मिशन मोड में संभाग आयुक्त द्वारा राजस्व न्यायालयों के पीठासीन अधिकारियों की वीडियो कान्फ्रेंसिग के माध्यम से नियमित समीक्षा के चलते एक माह में 74007 राजस्व प्रकरणों का निराकरण हुआ है। इस एक माह की अवधि में जबलपुर संभाग के 119 राजस्व न्यायालयों की समीक्षा की गई। संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह ने बताया कि प्रत्येक पीठासीन अधिकारी के न्यायालय में सबसे पुराने प्रकरण सहित मदवार लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए समीक्षा के बाद कार्ययोजना निर्धारित की जा रही है। सघन समीक्षा का नतीजा यह है कि लगभग एक माह की अवधि में ही जबलपुर संभाग में राजस्व प्रकरणों का निराकरण 34 प्रतिशत से बढ़कर 58 प्रतिशत हो गया है। महत्वपूर्ण यह है कि इस अवधि में नामान्तरण के दर्ज प्रकरणों का निराकरण 40 से बढ़कर 57 प्रतिशत, बंटवारा के प्रकरणों का निराकरण 32 से बढ़कर 52 प्रतिशत तथा अभिलेख दुरुस्ती के प्रकरणों का निराकरण 31 से बढ़कर 51 प्रतिशत हो गया है।सबसे ज्यादा निराकरण सीमांकन प्रकरणों का हुआ है, जिसमें निराकरण का आंकड़ा 36 से बढ़कर 66 प्रतिशत हो गया है। विगत एक माह में संभाग में 17044 सीमांकन के लंबित प्रकरणों का निराकरण हुआ है। जबलपुर संभाग में एक माह की अवधि में कुल 74007 राजस्व प्रकरणों का निराकरण हुआ है जो उल्लेखनीय उपलब्धि है।

दादागुरू के 1705 निराहार के दिन पूर्ण होने पर जरारूधाम में 1705 पौधों का हुआ रोपण

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने दादा गुरू जी के निराहार 1705 वें दिन जरारूधाम में स्वागत वंदन किया। दादागुरू ने दमोह के जरारूधाम में वृक्षों एवं भगवान शंकर का पूजन किया। गौ-अभ्यारण जरारूधाम में नर्मदाखंड सेवा संस्थान ने आज दादागुरू के निराहार 1705 दिन होने पर 1705 पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर पशुपालन, डेयरी विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल, विधायक बण्डा वीरेन्द्र सिंह लम्बरदार, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटैल, पूर्व विधायक प्रदुम्न सिंह लोधी, नर्मदाखंड सेवा संस्थान के अध्यक्ष नरेन्द्र बजाज सहित बड़ी संख्या जनप्रतिनिधि, अधिकारी, पत्रकार और नागरिक मौजूद थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि यह एक सुखद संयोग है, माँ नर्मदा के अनन्य भक्त दादा गुरू को माँ नर्मदा के जल पर 1700 दिन पूरे हो गए, कल 1705 दिन होंगे, उस उपलक्ष्य में स्वयं दादा गुरु दमोह के जरारू धाम पधारे हैं। दादा गुरु के दर्शन हुये, ऐसी दिव्यमूर्ति जो लगभग 5 साल से माँ नर्मदा के जल पर है और जितना वह तेजी से चलते हैं, जरारूधाम पुण्यभूमि का तप है, इस दौरान यहाँ आये। मंत्री श्री पटेल ने कहा जरारूधाम में प्रतिवर्ष तीन बार पौधरोपण करते है। इस बार निमित्त है दादागुरु के 1705

दिन जल पर हुए हैं, शायद इतिहास में कभी कोई ऐसी प्रतिमूर्ति अभी तक ज्ञात नहीं है, जब उनके 1700 दिन पूर्ण हुए। आज 1705 पौधों का रोपण हो रहा है, यह स्मृति वन दादा गुरु के तप को समर्पित है, जरारुधाम की तपस्थली में तपस्वी पधारे और उनकी स्मृति में हम सब शामिल है, सभी ने पौधों का रोपण किया है, पहले हमने 10,000 पौधे लगाये थे। आज के दिन 1705 पौधे दादा गुरु की तपस्या की स्मृति में उनको समर्पित है इसलिए आज सभी बेटे-बेटियों, सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं, अधिकारियों, कर्मचारियों सबका मैं आभार व्यक्त करता हूँ। दादा गुरू ने कहा जिस प्रकार मठ की शोभा मूर्ति से होती है, वैसे ही हमारे ग्राम, नगर की जीवंतता पेड़-पौधो से है, जैसे मठ में मूर्ति की स्थापना की और पत्थर में हमने भगवान, ईश्वर और परात्मा को पाया, अब वक्त आ गया है, अब पेड़-पौधो में भी भगवान को देखना शुरू कर दो तब ही यह संरक्षित हो पायेगा, तब ही यह सार्थक हो पायेगा। यह पेड़ नही लगाया हमने स्वयं परात्मा की जीवंत मूर्ति को स्थापित किया है। मां नर्मदा के भक्त दादा गुरू ने कहा जरारूधाम को हम सिद्ध क्षेत्र और आदि तीर्थ भी हम कह सकते है, जरारूधाम गौ अभ्यारण्य मतलब शक्तियों का प्रत्यक्ष रूप जैसे कि रामचरित्र मानस के सुंदरकांड में जरारू का बहुत अच्छा सूत्र है, जो ईश्वर की शक्ति की सगुण उपासना इसी प्रकार जरारूधाम में शक्ति सगुण है, हमने शक्तियों को प्रत्यक्ष पाया है, जरारूधाम में जल के रूप में भी शक्ति है, यदि कोई वृक्ष की पूजा या प्रणाम भी कर रहा है, तो वह ईश्वर की शक्ति की सगुण उपासना कर रहा है, जरारूधाम तीर्थक्षेत्र में चाहे गौ के रूप में हो या चाहे देवगंगा के रूप में हो यहाँ दो शक्तियाँ प्रत्यक्ष रूप में मिल जायेगी विचरण करते हुए हम इस माटी को भी माँ के रूप में देखते है, यह माटी, धरा साधारण नही है, यह देवधरा और देवभूमि भी कह सकते है, यहाँ पर आने का और सेवा करने का सौभाग्य मिल जाये तो समझ लेना सहस्त्र कोटि का यज्ञ हो गया है।पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री श्री लखन पटेल ने कहा मैं जब यहाँ आया तो मुझे लगा कि जरारूधाम तो बिल्कुल बदल गया। हम लोग पहले भी आया करते थे तो पेड़ के नाम पर कुछ भी नहीं था सिर्फ पत्थर ही पत्थर थे और आज सघन जंगल दिख रहा है, यह श्री प्रहलाद सिंह पटेल जी की सोच और यहाँ के लोगों का समर्पण का परिणाम है, पिछले साल भी हम लोगों ने बहुत सारे पौधे लगाए थे जो बहुत अच्छी स्थिति में हैं और आज जो 1705 पौधे लगाए जा रहे हैं, यह भी आने वाले 2- 3 साल में जंगल में तब्दील हो जायेगे तो सारे फलदार पौधे हैं तो निश्चित रूप से यहाँ लोगों को लाभ मिलेगा।

संपादकीय

कश्मीर और पाकिस्तान मसलों में तीसरे पक्ष की कोई जगह नहीं

कश्मीर मसले समेत पाकिस्तान से जुड़े अन्य मुद्दों पर भारत का रुख हमेशा से द्विपक्षीय बातचीत पर केंद्रित रहा है। किसी तीसरे पक्ष की भूमिका को भारत ने कभी स्वीकार नहीं किया। संयुक्त राष्ट्र और कुछ अन्य देशों की ओर से कश्मीर मसले पर मध्यस्थता की पेशकश की जाती रही है, लेकिन भारत ने उन्हें सिरे से खारिज कर दिया। पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद 'आपरेशन सिंदूर' से सहमे पाकिस्तान ने भारत पर हमले का नाकाम प्रयास किया था। मगर, इससे पहले कि कार्रवाई तेज होती, दोनों देशों की सहमति से संघर्ष विराम की घोषणा कर दी गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई मौकों पर यह दावा किया कि अमेरिका की मध्यस्थता की बदौलत ही भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम हो पाया है। भारत ने इस दावे को तत्काल खारिज कर दिया था। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप से फोन पर बातचीत में भी स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान के आग्रह पर ही भारत ने संघर्ष विराम पर सहमति जताई थी। इसमें अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है। दरअसल, भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की सबसे पहले घोषणा डोनाल्ड ट्रंप ने दस मई को सोशल मीडिया के जरिए की थी। उन्होंने यह दावा भी किया था कि संघर्ष रोकने पर सहमत न होने पर उन्होंने दोनों देशों के साथ व्यापार रोकने की चेतावनी दी थी। इसके बाद ट्रंप ने कई बार इस दावे को दोहराया कि अमेरिका ने ही दोनों देशों को संघर्ष विराम के लिए राजी किया। हालांकि, ट्रंप के दावे से पैदा हुई भ्रम की स्थिति को दूर करने के लिए सरकार ने कई दफा स्पष्ट किया कि इसमें अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है। अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कनाडा में जी-7 देशों के सम्मेलन में भाग लेने गए थे, जहां डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद थे। मगर, इस दौरान दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच सम्मेलन से इतर बातचीत नहीं हो पाई। प्रधानमंत्री ने बीते मंगलवार को ट्रंप से फोन पर बातचीत की। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के मुताबिक, इस दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले दिनों हुए संघर्ष पर भी बात हुई और प्रधानमंत्री ने दो टूक कहा कि भारत और पाकिस्तान ने बिना किसी मध्यस्थता के अपने शीर्ष सैन्य अधिकारियों के बीच सीधी बातचीत के बाद सैन्य कार्रवाई रोकी थी। मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि भारत ने किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है और न कभी स्वीकार करेगा। यह भी साफ किया चुका है कि अब आतंकवाद को छद्म युद्ध के रूप में नहीं, बल्कि एक युद्ध के ही रूप में देखा जाएगा। इसमें दोराय नहीं है कि आपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई नपी-तुली, सटीक तथा तनाव को और बढ़ावा नहीं देने वाली थी। भारत का यह रुख निस्संदेह पाकिस्तान के लिए भी एक कड़ा संदेश है कि अगर वह द्विपक्षीय मसलों में किसी तीसरे पक्ष को बीच में लाने का प्रयास करेगा, तो उसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एफएटीएफ के निशाने पर है पाक का आतंकवाद

ललित गर्ग

विश्व में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने भले ही अभी पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में नहीं डाला है, लेकिन उसने अंततः 22 अप्रैल को पहलगाम की क्रूर आतंकवादी हमले की निंदा की है। ऐसा करते हुए एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है जो भारत की इस विषयक सफलता को द्योतक हैं। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि 'ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते।' आखिरकार भारत की यह चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाक को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, इस मांग के सफलता की सीढ़ियां चढ़ने का ही संकेत हैं। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, भारत के सांसदों एवं अफसरों के प्रतिनिधिमण्डल को पाक को बेनकाब करने के लिये विश्व के प्रमुख देशों में भेजा, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं।

एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में किसी देश को तब तक निगरानी में रखा जाता है, जब तक कि वह अपनी वित्तीय प्रणाली में पहचानी गई खामियों, त्रुटियों, विसंगतियों को ठीक नहीं कर लेता। पाकिस्तान निरंतर आतंकवाद को पोषण एवं प्रोत्साहन देने के लिये 2022 तक ग्रे लिस्ट में था, उसी वर्ष उसे ग्रे लिस्ट से हटाया गया, बावजूद पाकिस्तान ने कोई सुधार नहीं किया है और आतंकवादियों को न सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह उपलब्ध करा रहा है, बल्कि आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे आपराधिक कामों में भी खुद को शामिल करते हुए आतंकवाद की प्रयोगशाला बना हुआ है। एफएटीएफ ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही कठोर शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफ ने घोषणा की है कि 'राज्य प्रायोजित आतंकवाद' इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाक को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा।

दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन एफएटीएफ को मनाने में आंशिक रूप से सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाक को करना

पड़ेगा। यूं भी यह अन्तर्राष्ट्रीय धन का गलत एवं अतिश्योक्तिपूर्ण इस्तेमाल देरसबेर विश्व के सामने आयेगा। भारत दुनिया के देशों को यह बताने और समझाने में कामयाब रहा है कि पाक न केवल आतंकवाद का समर्थन करता है, बल्कि वह आतंकवाद का पोषक भी है और वह आतंकवाद के लिए फंडिंग भी करता है। इस तरह इसे भारत की कूटनीतिक विजय कहा जा सकता है। क्योंकि एफएटीएफ का इतना बोल्ड बयान पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा है। एफएटीएफ की ओर से जारी आधिकारिक बयान की गहराई को समझने की जरूरत है, कि ÷आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। यानि एफएटीएफ ने यह मान लिया है कि पहलगाम हमला आतंकवादी वित्त पोषण के कारण ही अमल में आया। एफएटीएफ का यह बयान भारत के लिए बहुत अहम है। ध्यान रहे कि एफएटीएफ, जी-7 देशों की ओर से स्थापित एक स्वतंत्र संस्था है, जो देशों की वित्तीय नीतियों का मूल्यांकन करती है। गौरतलब है कि वर्तमान में एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में 24 देशों का नाम है, जो धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण और प्रसार वित्त पोषण के लिए निगरानी में हैं।

यहां यह उल्लेखनीय एवं ध्यान देने वाली बात है कि पाक को कई बार एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जा चुका है। इसे पहली बार 2008 में ग्रे लिस्ट में डाला गया था, लेकिन बाद में 2010 में इसे हटा लिया गया। इसके बाद, 2012 में पाक को फिर से इस लिस्ट में डाला गया और 2015 में इसे दुबारा हटा दिया गया। इसके बाद, पाक को जून 2018 में फिर से ग्रे लिस्ट में डाला गया था और अक्टूबर 2022 में इसे हटा लिया गया। लेकिन यह कुत्ते की ऐसी दूम है जिसे कितने की कड़े प्रावधानों में रखा जाये, यह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। उल्लेखनीय है कि एफएटीएफ ने वैश्विक नेटवर्क में 200 से अधिक क्षेत्रों के मूल्यांकन में योगदान देने वाले विशेषज्ञों का समर्थन करने के लिए आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम पर मार्गदर्शन विकसित किया है। अहम बात यह है कि एफएटीएफ के सख्त एवं कठोर व्यवहार के बाद अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के यह समझ में आने लगा है कि पाकिस्तान एक असुरक्षित एवं आतंकवादी पोषक गंतव्य बनता जा रहा है। ऐसे में एफएटीएफ के दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों की संभावना के कारण पाक की पहले से ही डांवाडोल अर्थव्यवस्था को और झटका लग सकता है।

जी-7 शिखर बैठक 15 से 17 जून 2025 तक कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मेजबानी में हो रही है। इसमें जी-7 देशों के प्रमुखों के अलावा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर ज़ेलेंस्की, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ जैसे नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक के दौरान जी-7 के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पाक का सच और ऑपरेशन सिंधूर की सफलता के बारे में बताते हुए आतंकवाद के विरोध में संगठित होने के लिये वातावरण बना रहे हैं। भारत ने एफएटीएफ के बयान का स्वागत करते हुए कहा भी है कि यह वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रुख की पुष्टि करता है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने भी एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीर बताते हुए कहा कि यह पाक के लिए एक और बड़ा झटका है, जिससे उसकी वैश्विक छवि और कमजोर हो सकती है। गौरतलब है कि भारतीय अधिकारियों ने पिछले महीने पेरिस और वॉशिंगटन में एफएटीएफ प्रतिनिधियों से बैठक कर पाक के खिलाफ नई कार्रवाई की मांग की थी।

भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे पाक आतंकवाद की पाठशालाओं को स्वास्थ्य केंद्रों या स्कूलों के रूप में छिपा रहा था। पाक का मकसद था कि इससे दुनिया को आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों का पता नहीं चलेगा और वह वैश्विक संगठनों की सजा से बच जाएगा। दरअसल, पाक हुकमरान हमेशा से खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी से मदद हासिल करने की फिराक में रहते हैं। भारत ने इस खतरे का हवाला देते हुए विश्व जनमत को हकीकत से अवगत कराने का सफल प्रयास किया है। अब यह एफएटीएफ के कर्ता-धर्ताओं के विवेक पर निर्भर करता है कि वे पाक के खतरनाक मंसूबों को कितनी जल्दी भांपने में कामयाब हो सकते हैं। एक ओर पाक आर्थिक बदहाली का हवाला देकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से मदद की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर उसने अपनी रक्षा मद पर बीस प्रतिशत व्यय बढ़ा दिया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान इस रक्षा बजट वृद्धि का सारा पैसा राष्ट्रीय सुरक्षा की बजाय आतंकवाद को पल्लवित करने पर खर्च करेगा। इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण आतंकवाद पोषण की स्थितियों में धन के किसी भी दुरुपयोग का पता लगाने के लिये उसके नियमित खर्च की निगरानी अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को करनी चाहिए।

विश्व सिकल सेल दिवसः जागरूकता, स्क्रीनिंग और सहयोग से संभव है उन्मूलन

श्रुति कुशवाह

यह दिन इस गंभीर बीमारी के खिलाफ एकजुट होने और प्रभावित लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है। जागरूकता, स्क्रीनिंग और उचित उपचार के माध्यम से इस रोग के बोझ को कम किया जा सकता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि वैश्विक सहयोग और सामूहिक प्रयासों से ही हम एक स्वस्थ और समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकते हैं।

आज विश्व सिकल सेल दिवस है। हर साल 19 जून को ये दिन सिकल सेल रोग के बारे में जागरूकता फैलाने, प्रभावित लोगों के लिए समर्थन जुटाने और इस बीमारी से निपटने के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह दिन न इस जेनेटिक ब्लड डिसऑर्डर के प्रति लोगों को शिक्षित करने का अवसर देता है।

आज के दिन सीएम मोहन यादव ने सभी से इस रोग के उन्मूलन के लिए योगदान देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 'सिकल सेल रोग उन्मूलन के राष्ट्रीय संकल्प को मध्यप्रदेश दृढ़ता से साकार कर रहा है। इस दिशा में हमारे राज्य ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं। आइए, विश्व सिकल सेल रोग जागरूकता दिवस पर संकल्प लें कि इसके उन्मूलन के प्रयासों में योगदान देकर स्वस्थ मध्यप्रदेश के निर्माण में सहभागी बनेंगे।'

विश्व सिकल सेल दिवस का इतिहासः विश्व सिकल सेल दिवस की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 22 दिसंबर

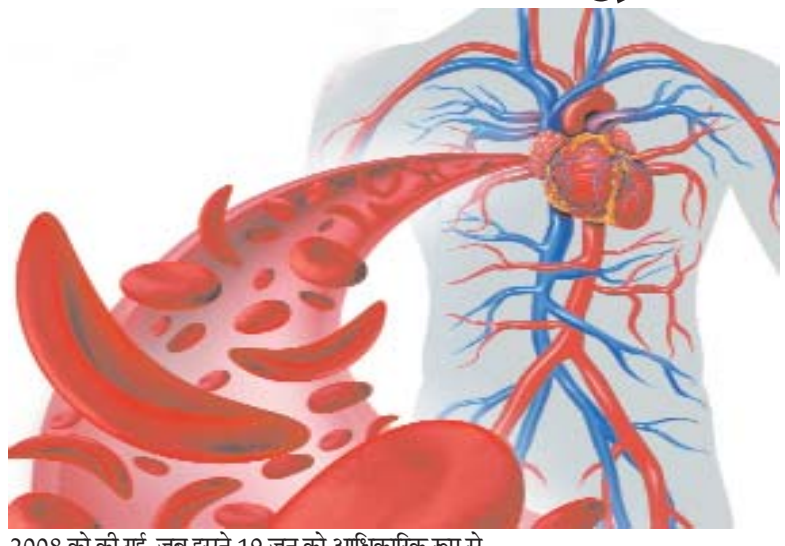

2008 को की गई, जब इसने 19 जून को आधिकारिक रूप से सिकल सेल बीमारी के प्रति जागरूकता दिवस घोषित किया। यह निर्णय अफ्रीकी देशों की पहल पर लिया गया, जहां ये बीमारी ज्यादा होती है। संयुक्त राष्ट्र ने इस बीमारी को एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में स्वीकार किया और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ये दिन मनाने का निर्णय लिया गया। इस दिन का मुख्य उद्देश्य सिकल सेल रोग के बारे में जागरूकता फैलाना, प्रभावित लोगों और उनके परिवारों को समर्थन देना, और इस आनुवंशिक रक्त विकार से निपटने के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देना है।

सिकल सेल रोग क्या हैः सिकल सेल रोग एक आनुवंशिक रक्त विकार है, जो हीमोग्लोबिन के असामान्य रूप के कारण होता है। इस रोग में लाल रक्त कोशिकाएं अपनी सामान्य गोल आकृति के बजाय हंसिया जैसी बन जाती हैं। ये असामान्य कोशिकाएं रक्त वाहिकाओं में अटक सकती हैं, जिससे रक्त प्रवाह में बाधा आती है है और शरीर के विभिन्न हिस्सों में दर्द, संक्रमण और अन्य समस्याएं पैदा होती हैं।

इस रोग के कारणः यह रोग जेनेटिक म्यूटेशन के कारण होता है, जो माता-पिता से बच्चों में पहुंचता है। यदि दोनों माता-पिता सिकल सेल जीन से पीड़ित हैं तो बच्चे को यह रोग होने की 25 फीसदी संभावना होती है। ये बीमारी खासकर अफ्रीका, मध्य पूर्व, भारत, कैरेबियन और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में ज्यादा पाई जाती है।

सिकल सेल रोग का उपचारः सिकल सेल रोग का कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन कई उपचारों से इसके लक्षणों को नियंत्रित कर मरीज का जीवन बेहतर बनाया जा सकता है। इसमें अक्सर तेज दर्द होता है जिसे दर्द निवारक दवाओं से कम किया जाता है। शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए खूब पानी पीना भी दर्द में राहत देता है। गंभीर मामलों में अस्पताल में आईवी ड्रिप या इंजेक्शन की जरूरत पड़ सकती है। चूंकि इस रोग में रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, इसलिए न्यूमोनिया और फ्लू जैसे टीके लगवाना जरूरी है, और डॉक्टर कभी-कभी एंटीबायोटिक्स भी देते हैं ताकि संक्रमण से बचा जा सके। सबसे जरूरी है कि डॉक्टर की सलाह पर सही इलाज लिया जाए।

आतंकवाद पोषण की परिभाषा

राकेश दुबे

और भारत की चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाकिस्तान को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, हकीकत बनती नजर आ रही है। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं।

अब वैश्विक वित्तीय कार्रवाई कार्य बल यानी एफएटीएफ, जो मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण गतिविधियों के लिए वैश्विक निगरानी संस्था है, ने अंततः 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की है। एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि 'ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते।' आतंकवाद के लिए फंडिग के रिकॉर्ड की निगरानी करने वाली इस संस्था ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही शब्दों का उपयोग किया था।

एफएटीएफ ने घोषणा की है कि 'राज्य प्रायोजित आतंकवाद' इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाकिस्तान को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा। उल्लेखनीय है कि पाक को वर्ष 2022 में इस सूची से हटा दिया गया था। दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन को मनाने में सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाकिस्तान को करना पड़ेगा।

यह विडंबना ही कि पश्चिमी देश अपने स्वार्थों के लिये आतंकवाद पोषण की परिभाषा ही बदल देते हैं। उन्हें मानवता के प्रति अपराध करने वाले देश अपने निहित स्वार्थों के चलते पाक-साफ नजर आने लगते हैं। भारत समेत अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी तब हैरान हुई जब आईएमएफ ने दावा किया कि पाकिस्तान ने अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिये संतोषजनक प्रगति की है। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के सामने बेनकाब किया।

भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे पाकिस्तान आतंकवाद की पाठशालाओं को स्वास्थ्य केंद्रों या स्कूलों के रूप में छिपा रहा था। पाकिस्तान का मकसद था कि इससे दुनिया को आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों का पता नहीं चलेगा और वह वैश्विक संगठनों की सजा से बच जाएगा। दरअसल, पाकिस्तानी हुकमरान हमेशा से खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी से मदद हासिल करने की फिराक में रहते हैं। भारत ने इस खतरे का हवाला देते हुए विश्व जनमत को हकीकत से अवगत कराने का प्रयास किया है। अब यह एफएटीएफ के कर्ता-धर्ताओं के विवेक पर निर्भर करता है कि वे पाक के खतरनाक मंसूबों को कितनी जल्दी भांपने में कामयाब हो सकते हैं। एक ओर पाकिस्तान आर्थिक बदहाली का हवाला देकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से मदद की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर उसने अपनी रक्षा मद पर बीस प्रतिशत व्यय बढ़ा दिया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान इस रक्षा बजट वृद्धि का सारा पैसा राष्ट्रीय सुरक्षा पर खर्च नहीं करेगा। धन के किसी भी दुरुपयोग का पता लगाने के लिये उसके नियमित खर्च की निगरानी अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को करनी चाहिए। भारत को निगरानी करने वाली वैश्विक संस्था को प्रोत्साहित करना चाहिए कि वह आतंकवादी हमलों को बढ़ावा देने वाले नेटवर्क को खत्म करने के पाकिस्तान के दावे की हकीकत पता लगाए।

अब वित्तीय कार्रवाई कार्य बल यानी एफएटीएफ को इस बात पर जोर देना चाहिए कि पाकिस्तान की कार्रवाई में पारदर्शिता सुनिश्चित हो ताकि पाकिस्तान एक बार फिर से अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम न दे सके।

बिना नियम रिटायर्ड लाभ में, तो नियम की जरूरत क्यों?

सरयूसुत मिश्रा

लंबे चिंतन-मनन और विचार-विमर्श के बाद मध्य प्रदेश की नई पदोन्नति नीति कैबिनेट अनुमोदन के बाद घोषित हो गई है. नए नियम सार्वजनिक होने के साथ ही विरोध के स्वर भी उभरे हैं. विरोध की आवाज़ें यही बता रही हैं, कि प्रमोशन में रिजर्वेशन की स्थितियां पहले जैसी ही हैं.. ! !

नियमों में शब्दों का अंतर हो सकता है, लेकिन स्थितियों में कोई बदलाव नहीं है. नौ साल पहले जिन नियमों को हाईकोर्ट द्वारा निरस्त किया गया था, उसमें प्रमोशन में आरक्षण की जो व्यवस्था थी, लगभग वैसी ही व्यवस्था नए नियमों में भी कायम रखी गई है. एससी, एसटी संगठन अजाक्स नए नियमों के पक्ष में है, तो सामान्य ओबीसी का संगठन सपाक्स इसका विरोध कर रहा है. फिर से अदालत में जाने की बातें हो रही हैं.

प्रमोशन में रिजर्वेशन के पुराने नियम अभी भी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं. प्रमोशन में समानता के जिस सिद्धांत को मनाते हुए अदालत में पुराने नियमों को खारिज किया था, नए नियमों को उस पर ही खरा साबित होना है. नए नियम भी अदालत की चौखट पर पहुंचेंगे. और इसे समानता के सिद्धांत पर कसा जाएगा.

पुराने नियम निरस्त होने के बाद नौ सालों से मध्य प्रदेश में प्रमोशन के कोई नियम नहीं थे. इसके कारण प्रमोशन रुके हुए थे. नए नियमों के साथ ऐसा कहा जा रहा है, कि तेजी से प्रमोशन होंगे. प्रमोशन से रिक्त होने वाले पदों पर नई भर्तियां होंगी. नए नियमों में रिटायर्ड को छोड़ दिया गया है.

अदालत के आदेश के बाद प्रमोशन के नियम नहीं होने के कारण जो हजारों कर्मचारी नौ सालों में रिटायर हुए हैं, उनको नए नियमों से कुछ नहीं मिलेगा. मंत्री परिषद के कुछ सदस्यों ने जब इस पर सवाल किया तो मुख्य सचिव ने कहा कि प्रमोशन भले ही इन वर्षों में नहीं हुए हों, लेकिन किसी भी कर्मचारी को वित्तीय नुकसान नहीं हुआ है.

समयमान, वेतनमान के अंतर्गत सभी कर्मचारियों अधिकारियों को निश्चित कार्यकाल के बाद उच्च वेतनमान दिया गया है. शासन के सर्वोच्च स्तर से यह माना जाना कि अधिकारियों कर्मचारियों को वेतनमान देना ही वास्तविक लाभ है. उच्च पदों पर प्रमोशन उतना महत्वपूर्ण नहीं है. यह सही भी है, कि अधिकारी कर्मचारी के लिए तो असली वित्तीय लाभ ही होता है.

उच्च पदों के कर्तव्य और दायित्व तो अफसरवादी और अवसरवादी नीति पर तय किए जाते हैं. किसी भी सरकारी दफ्तर में एक समान नियम लागू नहीं होते. प्रैक्टिकल परफॉर्मेंस की सक्षमता और अक्षमता देखी जाती है. प्रमोशन में जरूर नियमों का पालन किया जाता है. सीनियरटी, मेरिट और रिजर्वेशन का आधार होता है, लेकिन वास्तविक रूप से तो उसी को प्राथमिकता मिलती है जो परफॉर्म करने में उत्कृष्ट होता है.

सरकार अगर ऐसा मानती है, कि मौ सालों में बिना प्रमोशन के रिटायर हुए कर्मचारियों को नए नियमों में शामिल करने की आवश्यकता नहीं है. क्योंकि ऐसे कर्मचारियों को समयमान पदोन्नति में वेतनमान का लाभ मिल चुका है, तो फिर तो प्रमोशन में आरक्षण और अन्य आधारों की कोई आवश्यकता ही नहीं होगी. समयमान पदोन्नति में अधिकारियों, कर्मचारियों को वेतनमान मिलता है, लेकिन पद नाम नहीं मिलता.

सरकार अगर यह निर्णय ले लेती है, कि समयमान पदोन्नति में वेतनमान के साथ ही उसको पद नाम भी मिल जाएगा तो फिर निश्चित कार्यकाल पूरा करने के बाद सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को योग्यता अनुसार समयमान पदोन्नति और पदनाम मिल जाएगा. इसके लिए ना तो कैडर में पदों की आवश्यकता होगी और ना ही किसी को भी सामान्य योग्यता होने पर भी सुपरसीड होना पड़ेगा.

नए नियमों को लेकर रिटायर्ड कर्मचारी भी अदालत जा सकते हैं. अगर ऐसा रिटायर्ड कर्मचारी पहल करते हैं, तो सरकार के सामने समस्या हो सकती है. नए नियम भी अदालत से रोके जा सकते हैं. कोई भी सरकार किसी भी कर्मचारी को प्रमोशन से वंचित नहीं कर सकती. जब तक कि उसके पास निर्धारित योग्यता होती है.

अदालत ने पुराने नियमों को निरस्त किया, पदोन्नति रुकी रही. अब सरकार ने नए नियम बनाए हैं, तो नौ साल के समय को सरकार समाप्त तो नहीं कर सकती, उस समय में जो कर्मचारी अधिकारी सेवा में थे, उनके प्रमोशन के राइट को सरकार विधिक रूप से खारिज तो नहीं कर सकती.

सीएम डॉ. मोहन यादव की इस बात के लिए सराहना जरूर की जा सकती है, कि जो पदोन्नति पिछले नौ साल से रुकी हुई थी, उसके लिए नए नियमों की पहल की गई. नए नियमों को घोषित किया गया. विवाद अपनी जगह है, लेकिन इसके डर से पहल ही नहीं की जाए, यह तो नितांत आपत्तिजनक है.

मध्य प्रदेश सरकार के पुराने प्रमोशन नियम को 2016 में उच्च न्यायालय जबलपुर ने निरस्त किया था. उस समय प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री थे. उनके पास लंबा अनुभव था, फिर भी नए नियमों के लिए कोई पहल नहीं की गई. इसके बाद कांग्रेस की कमलनाथ सरकार बनी. उस सरकार में भी प्रमोशन नियमों पर ध्यान नहीं दिया गया. उसके बाद फिर से शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बने और अधिकारी कर्मचारी बिना प्रमोशन के रिटायर होते रहे.

अब मोहन यादव ने कर्मचारियों अधिकारियों के हितों की तरफ ध्यान दिया है. अगर नए नियम में कोई विसंगति होगी, समानता के सिद्धांत का उल्लंघन होगा, तो निश्चित रूप से सुधार पर विचार होगा.

जहां तक प्रमोशन में आरक्षण का सवाल है, दिग्विजय सरकार द्वारा जो प्रावधान किए गए थे, उसमें ही समानता के सिद्धांतों का उल्लंघन हुआ था. जिसके कारण अदालत ने नियमों को निरस्त किया था. आरक्षण राजनीति का सबसे ज्वलंत विषय है. कोई भी सरकार आरक्षण की व्यवस्था में किसी भी सुधार की पहल करने की हिम्मत नहीं कर सकती.

इसलिए यह तो निश्चित है, कि प्रमोशन के नए नियमों में भी आरक्षण की कमोबेश वही व्यवस्था रहेगी, जो पहले बनाई गई थी. किसी को भी एक बार आरक्षण का लाभ मिल जाए तो फिर उसे दूसरी कोई भी सरकार ना रोक सकती है, ना कम कर सकती है. यही मध्य प्रदेश में भी प्रमोशन आरक्षण में हो रहा है. यह प्रशासनिक से ज्यादा राजनीतिक मुद्दा है. बीजेपी सरकार इसे अपने हाथ से कैसे जाने देना चाहेगी.

नौ साल बाद नए नियम बने हैं. अब इस पर फिर से रस्साकशी. चलेगी मामला अदालत की चौखट तक भी पहुंच सकता है. प्रमोशन की जंग का रंग पुराना ही रहेगा. सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों की संख्या वैसे भी रिटायरमेंट के कारण लगातार घटती जा रही है.

सरकारी दफ्तर सूने-सूने दिखाई पड़ते हैं. पूरा सिस्टम संविदा और आउटसोर्स पर सिमटता जा रहा है. सरकारों के पास धन तो सीमित है, चाहे रिक्त पदों पर भर्तियां कर कर्मचारियों, अधिकारियों पर खर्च करे और चाहे मुफ्तखोरी की योजनाओं में लगाकर चुनावी लाभ ले लिया जाए. स्वाभाविक है राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता मिलेगी.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

राहुल गांधी के जन्मदिन पर

आँखों में पानी रखो, होंठो पे चिंगारी रखो,
जिंदा रहना है तो तरकीबे बहुत सारी रखो !
राह के पत्थर से बढ के, कुछ नहीं हैं मंजिलें,
रास्ते आवाज़ देते हैं, सफ़र जारी रखो...
राहुल गांधी के जन्मदिन पर अनन्त शुभकामनाएं...

मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन ?

सांध्य प्रकाश इटारसी। जिला फुटबाल संघ नर्मदा पुरम द्वारा आयोजित जूनियर बालक अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ खेड़ा स्थित मैदान में आयोजित किया गया।इस अवसर पर प्रथम मैच जिला फुटबॉल संघ धार एवं जिला फुटबाल संघ मुरैना के मध्य खेला गया ,यह मैच समाप्ति तक एक-एक गोल की बराबरी पर रहा। प्रतियोगिता के शुभारंभ पर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के लिए मुख्य अतिथि नेशनल फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष विष्णुकांत पांडे (डैनी भैया) रेलवे के सेवानिवृत्ति यूनियन के पदाधिकारी केके शुक्ला एवं सिद्धू पांडे ने खिलाड़ियों से प्राप्त किया। इसी श्रृंखला में प्रतियोगिता का दूसरा मैच जिला फुटबाल संघ भोपाल एवं जिला फुटबाल संघ नीमच के मध्य खेला गया। मैच समाप्ति तक भोपाल टीम ने 6-0 से विजय प्राप्त की तथा इस मैच के मुख्य अतिथि मोहित राज दुबे न्यू नेशन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रेस क्लब ऑफ़ इंडिया के ट्रेजआर के साथ फाइटर फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष सत्यम अग्रवाल फुटबॉल के वरिष्ठ खिलाड़ी अजय चौधरी पप्पू भैया, जितेंद्र रायकवार,भूषण कनौजिया, सौभाग्य दुबे, नितेश कनौजिया, प्रीतम तिवारी, डालचंद सहित अन्य लोग उपस्थित थे । प्रतियोगिता के दूसरे दिन के दो मैच खेले जाएंगे यह मैच दोपहर 2-00 बजे से प्रारंभ होंगा।

कलेक्टर को ग्रामीण पर्यटन परियोजना में उत्कृष्ट योगदान का सम्मान

सांध्य प्रकाश भोपाल। नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना को ग्रामीण पर्यटन मिशन, मध्यप्रदेश के अंतर्गत ग्रामीण पर्यटन परियोजना में उनके उत्कृष्ट योगदान और शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान

कर सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित ग्रामीण रंग पर्यटन संग÷ कार्यक्रम में प्रदान किया गया। कलेक्टर सुश्री मीना को यह सम्मान जिले में होमस्टे निर्माण की योजना को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए दिया गया है, जो कि ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है। उनके नेतृत्व और सक्रिय भागीदारी के चलते यह परियोजना आज एक आदर्श मॉडल के रूप में सामने आई है, जो न केवल पर्यटन को बढ़ावा दे रही है, बल्कि ग्रामीण जीवन, संस्कृति और अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है। नर्मदापुरम् जिले में होमस्टे के रूप में पर्यटन सुविधाओं का विकास करते हुए न केवल स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर दिए गए हैं, बल्कि पर्यटकों को भी ग्रामीण जीवन के वास्तविक अनुभव से परिचय करवाया है। यह परियोजना प्रदेश में सतत और सहभागी पर्यटन विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर खजुराहो में आयोजित होगा वृहद योगा कार्यक्रम

छतरपुर। बुधवार को जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार ने कलेक्ट्रेट व्हीसी कक्ष में 21 जून को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर खजुराहो में पश्चिमी मंदिर समूह आयोजित होने वाले वृहद योग कार्यक्रम की तैयारियों के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में सहायक कलेक्टर आशीष पाटिल, एसडीएम राजनगर प्रशांत अग्रवाल, डीईओ एवं डीपीसी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे एवं व्हीसी से सीईओ, सीएमओ एवं अन्य अधिकारी जुड़े रहे।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती परिहार ने डीईओ एवं डीपीसी को कार्यक्रम में एनसीसी एवं एनएसएस की भागीदारी सुनिश्चित करने एवं समस्त शासकीय एवं निजी विद्यालय में योग कार्यक्रम आयोजित करने और छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष अधिकारी को निर्देश दिए कि योग प्रशिक्षकों द्वारा योगा कार्यक्रम के पूर्व प्रशिक्षण कराएं और कॉमन योगा प्रोटोकॉल अनुसार योगाभ्यास कराएं।

संगठन सृजन अभियान जंन सरोकारों से कांग्रेस को जोड़ने के लिए है केंद्रीय पर्यवेक्षक दानिश अबरार

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अधिकार सम्पन्न बनाना ही हमारा लक्ष्य

आष्टा। प्रदेश भर में चल रहे कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत प्रत्येक जिले में गतिशील , समन्वयकारी तथा कांग्रेस की विचार धारा के लिये प्रतिबध्द कांग्रेस कार्यकर्ताओं में से अध्यक्ष बनाने के लिए केंद्रीय तथा प्रादेशिक पर्यवेक्षक के साथ ही संगठन प्रभारी एवम सह पर्यवेक्षक भी सौंपी गई जवाबदेही को पूर्णता प्रदान करने में अग्रसर हैं।

अखिल भारतीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा महासचिव एवम सांसद राहुल गांधी के दिशा निर्देश पर इंदौर जिला ग्रामीण के केंद्रीय पर्यवेक्षक दानिश अबरार पूर्व विधायक राजस्थान तथा सचिव अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी , प्रादेशिक पर्यवेक्षक कैलाश परमार पूर्व अध्यक्ष जिला कांग्रेस सीहोर तथा महासचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी , जिला कांग्रेस इंदौर ग्रामीण के संगठन प्रभारी अवनीश भार्गव तथा सह पर्यवेक्षक राहुल शर्मा सचिव मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत इंदौर ग्रामीण क्षेत्र में सघन दौरा और मीटिंग के माध्यम से क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मत संग्रहण किया । साथ ही कांग्रेस की विचारधारा , देश हित मे कांग्रेस के अमूल्य योगदान और गौरवशाली इतिहास से अवगत कराते हुए कार्यकर्ताओं को विचारधारा की लड़ाई आत्मविश्वास से लड़ते हुए सामाजिक सरोकार से जुड़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया । प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार पर्यवेक्षक गण ने इंदौर जिला ग्रामीण के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सिलसिलेवार मीटिंग के माध्यम से रायशुमारी का कार्य पूर्ण किया है । मजबूत संगठन के लिए मत संग्रहण, सकारात्मक वातावरण और चुनोतियों का ब्यौरा ले कर प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपने निकले इंदौर जिला ग्रामीण के पर्यवेक्षक साथी बुधवार को पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष तथा प्रादेशिक पर्यवेक्षक इंदौर कैलाश परमार के निवास पर रुके ।

इस अवसर पर राष्ट्रीय पर्यवेक्षक दानिश अबरार ने कहा कि हमे सौंपे गए सांगठनिक जिला इंदौर में रायशुमारी और यहां की सभी विधान सभा क्षेत्र में दौरे से यह स्पष्ट है कि कांग्रेस की स्वाभाविक विचारधारा आमजन में गहराई से विद्यमान है । हम सभी पर्यवेक्षक गण ने यह महसूस किया है कि भाजपा के सत्ता पोषित संगठन से निबटने के लिये मुखरता से निडर हो कर लड़ाई लड़नी होगी ।

श्री अबरार ने कहा कि देश मे और खासतौर से हिंदी भाषी राज्यों में लोकतांत्रिक परम्पराओं को खत्म करने के लिए युवा वर्ग को भ्रमित करने का अभियान चलाया जा रहा है । उन्हें बेरोजगारी ,अशिक्षा और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा ने अभियान चला रखा है । कांग्रेसजन का यह दायित्व है वे आमजन से जुड़ कर भाजपा के भ्रष्ट सत्ता तंत्र को बेनकाब करें । कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान को इसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए चलाया है । ग्राम किलेरामा में प्रादेशिक पर्यवेक्षक कैलाश परमार ने पूरी टीम का स्वागत किया ।

ग्रामीणों को धमकाने वाले विवादास्पद रेंजर महेश अहिरवार का तबादला, धार से शहडोल भेजा गया!

इंदौर धार जिले के वन विभाग में वर्षों से चल रही अंदरूनी खींचतान और भ्रष्टाचार अब सतह पर आ गई थी। मुख्यमंत्री मोहन यादव के संज्ञान में मामला आने के बाद विवादास्पद रेंजर महेश अहिरवार का तबादला शहडोल कर दिया गया। बुधवार को जारी स्थानांतरण सूची में अहिरवार का नाम शामिल रहा। अहिरवार पर ग्रामीणों से मारपीट करने, बंदूक दिखाकर धमकाने जैसे संगीन आरोप लगे हैं। हाल ही में निजी जमीन को वन भूमि बताकर ग्रामीणों को धमकाया और ट्रैक्टर जब्त कर लिया था। बाद में मामला बढ़ने पर ट्रैक्टर को छोड़ दिया गया।

गांव की महिला सीला वास्कले ने कहा कि रेंजर अहिरवार और डिप्टी रेंजर धर्मेंद्र जमीन पर अवैध पट्टे जारी करने के लिए 10-20 हजार रुपए की मांग करते हैं। महिला का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ, जिसमें उसने यह भी बताया कि धर्मेंद्र आए दिन बकरे-मुर्गे की दावतें करता है और टिफिन भरकर घर भी ले जाता है। यह विवाद इंदौर मुख्यालय तक पहुंचा था। डिप्टी रेंजर धर्मेंद्र ने भी रेंजर महेश अहिरवार पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया है कि उन्होंने शराब के नशे में किसानों से मारपीट की और जबरन कार्यवाही की। महेश अहिरवार पहले भी जनता से दुर्व्यवहार, कार्य में लापरवाही और महिला कर्मचारियों के साथ अनुचित आचरण को लेकर सुर्खियों में रह चुके हैं। हालांकि, हर बार वे हाईकोर्ट से स्टे लेकर कार्रवाई से बचते रहे। लेकिन, इस बार मुख्यमंत्री के आदेश के बाद विभाग को मजबूरी में सख्त कदम उठाना पड़ा।

इंदौर नगर निगम के सहायक उद्यान अफसर चेतन ईओडब्ल्यू छापे के बाद बर्खास्त

इंदौर। नगर निगम इंदौर के सहायक उद्यान अधिकारी चेतन पाटिल की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) के छापे के बाद निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने यह आदेश जारी किया। पाटिल पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। छापे के बाद इसकी पुष्टि भी हो गई। नगर निगम में इस तरह की सख्त कार्रवाई पहली बार की गई। पाटिल ने सरकारी पद का दुरुपयोग कर बेहिसाब कमाई की और नगर निगम की छवि को धूमिल किया है।

चेतन पाटिल के बारे में आय से अधिक संपत्ति और एनआरआई सम्मेलन में पेड़-पौधे, गमले आदि की खरीदी में बड़े भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। इसमें मजबूत साक्ष्य मिलने के बाद केस दर्ज किया गया था। पाटिल के गुलमोहर कॉलोनी निवास और नगर निगम उद्यान विभाग में छानबीन की गई। दस्तावेजों में 2 करोड़ के पेड़-पौधे गमले खरीदना बताए गए, जिनमें वित्तीय गड़बड़ियां मिली।

30 हजार रु प्रतिमाह थी तनख्वाह

चेतन पाटिल का वेतन 30 हजार रुपये प्रतिमाह है लेकिन उसने करोड़ों की संपत्ति जमा कर ली। आर्थिक अपराध ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने मंगलवार तड़के उसके ठिकानों पर छापे मारकर करोड़ों की संपत्ति का पता लगाया। एजेंसी उसके भानगढ़ स्थित गुलमोहर ग्रीन कॉलोनी स्थित घर और निगम स्थित आफिस से फाइलें जब्त कर ले गई। निजी कंपनियां और अफसर भी जांच की जद में हैं।

मस्टरकर्मी के रूप में भर्ती हुआ

ईओडब्ल्यू डीएसपी पवन सिंघल के मुताबिक चेतन 2004 में मस्टरकर्मी के रूप में भर्ती हुआ था। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम का केस दर्ज उसने अफसर और नेताओं में घुसपैठ बना ली और उद्यान अधिकारी के पद तक जा पहुंचा। नौकरी के हिसाब से चेतन की कुल आय 15 लाख रुपये बनती है, लेकिन भ्रष्टाचार कर उसने करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित कर ली। इसमें पाश इलाकों में प्लाट, आभूषण और बीमा पॉलिसियां शामिल हैं। पुलिस ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में केस दर्ज किया है।

परिवहन एवं पुलिस यातायात विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही जारी

11 वाहनों पर 22 हजार की चालानी कार्यवाही

दमोह। जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गये निर्देशों के तहत परिवहन विभाग एवं पुलिस यातायात विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही हैं। इस सबंध में यातायात टीआई दलबीर सिंह मार्को ने बताया कृषि उपज मंडी में देहात क्षेत्रों से आए ट्रैक्टर ट्रालियों में रेडियम लगाए गए। इसी प्रकार परिवहन अधिकारी क्षितिज सोनी ने बताया बटियागढ़ नेशनल हाईवे पर वाहन चैकिंग की गई। इस दौरान 01 डम्पर ओवरलोड, बस चैकिंग कर 11 वाहनों के 22000 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई।

24 को पॉलीटेक्निक में युवा संगम रोजगार मेला

इस बार 1500 से अधिक वैकेंसी

दमोह। जिले में हर महीने जिला प्रशासन युवा संगम कार्यक्रम आयोजित करता हैं, जो युवाओं के रोजगार के लिए फोकस होता है, पिछले महीने 27 और 28 मई को युवा संगम आयोजित किया था, यह आयोजन बहुत सफल रहा था। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा इस आयोजन में दमोह जिले के 2266 युवाओ को ऑफर लेटर कंपनियों के द्वारा प्रदान किए गए थे। इसी कड़ी में अगला युवा संगम 24 जून को पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में सुबह 10 से शाम को 06 बजे तक होने जा रहा है। इस बार निजी क्षेत्र की 1500 से अधिक वेकेंसी है और इसमें आयु सीमा 18 से 35 साल तक है, शैक्षणिक योग्यता 12 वीं और स्नातक उत्तीर्ण होना चाहिये। इसमें कंपनियों ने योग्यता के अनुसार प्रारंभिक वेतन ऑफर 12,000 रूपये से 21,000 रूपये तक

युवाओ को निर्धारित किया है।

कलेक्टर कोचर ने कहा विशेष रूप से बताना चाहूंगा कि युवतियों के लिए विशेष अवसर है, जो युवतियां नौकरी करना चाहती है, अपने पैरों पर खड़े होना चाहती है, उनके लिए निजी क्षेत्र में बम्पर नौकरी आ रही है। कंपनियों 18,000 से लेकर 27,000 रूपये प्रति माह प्रारंभिक वेतन दे रही है। कलेक्टर ने युवाओं से आग्रह किया है कि पॉलिटेक्निक कॉलेज दमोह में 24 जून को सुबह 10 बजे से शाम को 06 बजे तक युवा संगम रोजगार मेला लग रहा है, इसमें युवा और युवती अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। पंजीयन के लिए क्यूआर कोड और लिंक भी जारी की जा रही हैं। क्यूआर कोड पर आप अपना पंजीयन कराइए और मेले में भाग लीजिए। अपने जीवन में आत्मनिर्भर बनने और रोजगार पाने की ओर कदम बढ़ाइये।

अनफिट बसें सड़कों पर दौड़ रही है , यातायात विभाग नहीं दे रहा ध्यान

बस की टूटी कमानी, 32 यात्री हुए घायल, 8 की हालात गंभीर, एसडीएम एसडीओपी तहसीलदार पहुंचे मौके पर

सिरोंज। अधिकांश यात्री बसों के फिटनेस बगैर जांच के ही बनाए जा रहे हैं उसी का नतीजा है कि बुधवार को भोपाल मार्ग पर काकर खेड़ी पर शक्ति कंपनी की बस की कमानी टूटने से बस अनियंत्रण होकर पलट गई इसमें 32 यात्री घायल हो गए जिनमें से 8 की हालत नाजुक होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद विदिशा रेफर कर दिया वहीं एक भोपाल के यात्री ने भी प्राथमिक जांच के बाद स्वयं को रेफर करवा लिया वह भोपाल गए है। दूसरी ओर दुर्घटना की जानकारी लगते ही एसडीएम हर्षल चौधरी ,तहसील संजय चौरसिया के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया था सरकारी और निजी एंबुलेंस से एसडीएम ने सभी घायलों को तुरंत शासकीय राजीव गांधी अस्पताल पहुंचाया जहां पर इनका प्राथमिक उपचार करवाया इसके उपरांत जिनकी हालत गंभीर थी उनको डॉक्टरों द्वारा इलाज के बाद विदिशा रेफर कर दिया ।

दुर्घटना के बाद यात्रियों में की चीख पुकार मच गई कई बस की सीटें भी टूट गई बस स्पीड में थी घायल ने बताया कि इमरजेंसी गेट भी नहीं खुला कांच फोड़कर हम बाहर निकले चालक और स्टाफ मौके से गायब हो गया था लोगों ने दुर्घटना होने की जानकारी प्रशासन को दी इसके बाद पुलिस और प्रशासन ने बचाव कार्य तत्काल प्रारंभ करवाया नहीं तो 32 यात्रियों की जान बचाना मुश्किल हो जाता जिस तरीके से बस पलटी है उन हालातों को देखकर बड़ी घटना भी घटित हो सकती थी बस खाई की तरफ गिर जाती तो बड़ी दुर्घटना भी घटित हो सकती थी बस कई पलटी खाकर सड़क के किनारे जाकर टिक गई इस वजह से यात्रियों ने कांच

फोड़े उनमें से छोटे-बड़े बच्चों को भी निकाला गया वैसे हर बस में इमरजेंसी गेट ड्राइवर की साइट होता है पर इस बस में इमरजेंसी गेट नहीं था सूत्रों ने बताया इस वजह से इन्हें कांच तोड़कर यात्रियों को बाहर निकालना पड़ा ये बहुत बड़ी चूक है। वैसे ही बस अनफिट थी इस वजह से कमानी टूटी बस की रफ्तार तेज और बड़ा हादसा होते होते बच गया। इस हादसे के बाद यातायात विभाग के अधिकारी सीख लेंगे या नहीं यह तो आने वाले दिनों में ही पता चलेगा या फिर अनफिट बस ऐसी तरह दौड़ती रहेंगी और किसी दिन बड़ी जनहानि होने के बाद ही जिम्मेदारी नींद में से जगेंगे और कार्रवाई की हिम्मत दिखाएंगे।

थाना प्रभारी पंकज गीते ने बताया कि: संख्या बस क्रमांक- एम.पी. 09 एफ.ए. 5464 को भोपाल से सिरोंज आ रही बस कांकर खेड़ी घाटी पर अनियत्रिंत होकर पलट गई इसमें सवार 34 यात्रियों को चोट आई है इसमें 8 की हालत नाजुक होने पर रेफर किया। थाना प्रभारी ने बताया कि

गौरी शंकर गुप्ता की तरफ से अफेयर ले जाकर अपराध क्रमांक 341/ 25 पंजीकृत करवाया है। अनफिट बस की जांच भी यातायात पुलिस से करवाई जाएगी बस दुर्घटना में बस मालिक और चालक पर भी मामला दर्ज करें ।

बिना रोक-टोक के दौड़ रही है कंडम बसें : 10 साल अधिक पुरानी बसों भी सड़कों पर चल रही है इनमें से कई बसें फिट भी नहीं होती है फिर भी कागजों में फिटनेस बनवाकर इनको चलाया जा रहा है। जिस समय फिटनेस बनाया जाता है उस समय यातायात विभाग के द्वारा गंभीरता से जांच नहीं की जाती बगैर जांच के ही फिटनेस जारी हो जाता है।

ऐसी कई बसें है ऐसी हालत में चल रही है इमरजेंसी गेट भी नहीं खुलते हैं फास्टेड बॉक्स से लेकर किराया सूची और ड्रेस कोड का पालन भी नहीं होता है स्पीड गवर्नर भी नहीं लगा हुआ है इस वजह से तेज रफ्तार में बसें दौड़ती है किसी भी तरह की तकनीक खराबी आने पर बसों को कंट्रोल नहीं होती इस तरफ भी जिम्मेदारों का ध्यान देना होगा इस मामले मैं बस मालिक और चालक पर कई कार्रवाई होनी चाहिए तभी कुछ बदलाव होगा दूसरी ओर छोटे-छोटे वाहनों की जांच तो यातायात पुलिस करती है पर बड़े-बड़े वाहन जो खुलेआम सरकार के नियमों का मजाक उड़ा रहे हैं उन पर कार्रवाई नहीं होती है।

दुनियाभर में दिखी कयामत वाली मछली, क्या सच होने वाली है बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। भूकंप और सुनामी जैसे भीषण प्राकृतिक आपदाओं का पूर्व संकेतक मानी जाने वाली रहस्यमयी मछली 'डूम्सडे फिश' यानी ओअरफिश ने एक बार फिर दुनिया को चिंता में डाल दिया है। बीते कुछ हफ्तों में न्यूजीलैंड, भारत और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों में इस रहस्यमयी मछली के लगातार दिखने की खबरों ने न सिर्फ वैज्ञानिकों बल्कि आम जनता को भी चौंका दिया है। असल में ओअरफिश समुद्र की गहराइयों में रहती हैं उनका इस तरह से निकलकर सतह पर चौंकाने वाला है।

जापानी लोककथाओं में इस मछली को भूकंप और सुनामी जैसे भीषण प्राकृतिक आपदाओं का पूर्व संकेतक माना जाता रहा है। अब जब ये मछली एक के बाद एक अलग-अलग जगहों पर दिखाई दे रही है, तो इसकी 'डरावनी भविष्यवाणी' को लेकर दुनिया भर में बेचैनी बढ़ रही है। दुनिया में इसे बाबा वेंगा की भविष्यवाणी से जोड़कर देखा जो रहा है जिसमें किसी 'मेगा डिजास्टर' की चेतावनी दी गई है। इस भविष्यवाणी और समुद्री जीव की रहस्यमयी

गतिविधियों का मेल लोगों में और डर का माहौल बना रहा है।

न्यूजीलैंड में दो दिनों के अंतराल में दो ओअरफिश सबसे पहले जून 2025 की शुरुआत में न्यूजीलैंड के डुनेडिन और क्राइस्टचर्च के पास ओअरफिश देखी गई। खास बात यह थी कि क्राइस्टचर्च के पास जो मछली मिली, उसका सिर गायब था, जिससे लोगों में रहस्य और डर और बढ़ गया। न्यूजीलैंड जैसे भूकंप-प्रवण देश में इन मछलियों की मौजूदगी ने वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है।

ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया में भी मिली ओअरफिश न्यूजीलैंड के बाद ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया में भी यह गहरे समुद्र की मछली नजर आई। तट पर रहने वाली सिबिल रॉबर्टसन नाम की महिला को यह विचित्र जीव मिला और उसने इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर दीं। देखते ही देखते यह पोस्ट वायरल हो गई और यूजर्स ने इसे संभावित भूगर्भीय हलचलों से जोड़ना शुरू कर दिया।

तमिलनाडु के तट पर पकड़ी गई 30 फीट लंबी मछली भारत में भी इस रहस्यमयी जीव की मौजूदगी ने लोगों को चौंका दिया। इस महीने की शुरुआत में तमिलनाडु के तट पर मछुआरों के जाल में एक 30 फीट लंबी ओअरफिश फंसी, जिसे देखकर गांव वाले हैरान रह गए। यह मछली सामान्यत- समुद्र की सतह से 200 से 1,000 मीटर गहराई में पाई जाती है, इसलिए इसका सतह पर आना असामान्य और अशुभ संकेत माना गया।

अमेरिका में दिखी ओअरफिश के दो दिन बाद आया भूकंप पिछले साल अगस्त 2024 में अमेरिका के सैन डिएगो में भी एक 12 फीट लंबी ओअरफिश दिखाई दी थी। इसके दो दिन बाद लॉस एंजेलिस में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे इस मछली और भूकंप के बीच संभावित संबंध को लेकर अटकलें और तेज हो गईं।

जिला पंचायत सीईओ ने औबेदुल्लागंज जनपद कार्यालय का किया निरीक्षण

अनुपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को एससीएन जारी, एक दिवस का वेतन भी कटेगा

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। जिले की जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज का जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज के 34 अधिकारियों, कर्मचारियों में से केवल 06 अधिकारी, कर्मचारी ही उपस्थित मिले। औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत सीईओ भी कार्यालय से अनुपस्थित मिलने पर दूरभाष पर चर्चा में उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत कारणों से समय पर कार्यालय में उपस्थित नहीं हो सके। जिला पंचायत सीईओ भदौरिया ने स्वयं प्रत्येक अनुपस्थित अधिकारी, कर्मचारी से दूरभाष पर सम्पर्क किया जिसमें अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा फील्ड पर होने या ऑफिस आने हेतु रास्ते में होना बताया। जिला पंचायत सीईओ ने कार्यालय से अधिकारियों-कर्मचारियों के बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर घोर नाराजगी व्यक्त करते हुए

सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया और सभी का एक दिवस का वेतन काटने हेतु निर्देशित किया। जिला पंचायत सीईओ भदौरिया ने मप्र डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्यालय का भी निरीक्षण किया और सीएलएफ के समग्र क्षमता वर्धन प्रशिक्षण में उपस्थित प्रतिभागियों से चर्चा की।

सच्चे आभार की एक झलक

नई दिल्ली के ग्रैंड कन्वेंशन सेंटर में एक गर्मजोशी भरी शाम थी। हर तरफ कैमरों की फ्लैश चमक रही थी। सुरक्षा कर्मी वॉकी-टॉकी पर बात कर रहे थे, और सूट पहने लोग इधर-उधर दौड़-भाग कर रहे थे। मंत्रियों, उद्योगपतियों, गणमान्य व्यक्तियों और विदेशी मेहमानों से पूरा हॉल भरा हुआ था। पहली पंक्ति में देश के सबसे प्रभावशाली लोग बैठे थे। तीसरी पंक्ति की एक कोने की सीट पर एक साधारण महिला बैठी थीं, हल्की सूती साड़ी में। उनकी उपस्थिति इतनी साधारण थी कि किसी का ध्यान भी नहीं गया। उनका नाम था लक्ष्मी पिचाई। बहुत कम लोग जानते थे कि वह कौन हैं। सबकी निगाहें उनके बेटे सुंदर पिचाई पर थीं, जो गूगल के और भारत की शान हैं।

सुंदर पिचाई वह इंसान जिन्होंने अग्नि-परीक्षाओं से गुजर कर यह ऊंचाई हासिल की। आज रात, भारत सरकार इस महान सुपुत्र को सम्मानित करने जा रही थी। यह एक विशेष और गौरवपूर्ण अवसर था, जिसमें देश के श्रेष्ठतम मस्तिष्क उपस्थित थे। सुंदर बार-बार अपनी माँ की ओर देख रहे थे। उन्हें अपने लिए ऐसा ध्यान पसंद नहीं था। वह शांति से हाथ गोद में रखे बैठी थीं, उनकी आँखों में शांत भावनाओं की चमक थी। जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंच पर आए, कार्यक्रम तालियों की गड़गड़ाहट के साथ आरंभ हुआ। उनका भाषण प्रेरणादायक था आत्मविश्वास, संघर्ष, सपनों और मूल्यों से भरा हुआ। उन्होंने उद्यमियों, वैज्ञानिकों और कलाकारों के नाम लिए, जिससे दर्शकों में उत्साह की लहर दौड़ गई। फिर उनका स्वर भावुक हो गया। आज हम सिर्फ सुंदर पिचाई को सम्मानित नहीं कर रहे, उन्होंने कहा, हम एक माँ की जीवन-यात्रा का सम्मान कर रहे हैं उस माँ का, जिसने कभी अपने बेटे की पढ़ाई के लिए अपना भोजन छोड़ दिया था। सुंदर का दिल जोर-जोर से धड़कने लगा। उन्होंने कभी सार्वजनिक रूप से यह बात नहीं कही थी। सभागार में एक सन्नाटा छा गया। सभी कैमरे उस क्षण को पकड़ने के लिए घूमे। लोग चुपचाप एक-दूसरे की ओर देखने लगे। मोदीजी मंच से नीचे उतरे लेकिन वह सुंदर की ओर नहीं गए। वह सीधे तीसरी पंक्ति के कोने की ओर बढ़े उस साधारण महिला की ओर जो सूती साड़ी में बैठी थीं। लक्ष्मी चौंक गईं। उन्होंने ऊपर देखा, उनके हाथ कांपने लगे। पूरा हॉल जैसे सांसें थामे खड़ा था। मोदी ने नम्रता से कहा आपके त्याग के बिना यह संभव नहीं था। और फिर उन्होंने झुककर उनके चरण स्पर्श किए। पूरा हॉल श्रद्धा में खड़ा हो गया। कैमरों की चमक और फ्लैश से हॉल भर गया। पत्रकार दौड़ पड़े। सुंदर की आँखें भर आईं।

उन्होंने कभी सपने में भी ऐसा क्षण नहीं सोचा था। वह वर्षों से सिलिकॉन वैली में हैं, राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों, राजाओं से मिले हैं लेकिन कभी किसी ने उनकी माँ को इस तरह सम्मान नहीं दिया। लक्ष्मी उठने लगीं, लेकिन मोदीजी ने उन्हें सहारा दिया और उन्हें मंच पर ले आए। वह झिझक रही थीं, लेकिन उन्होंने स्नेह से उन्हें मंच पर सामने खड़ा किया।और फिर हॉल तालियों से गूंज उठा। सुंदर उनके बगल में खड़े थे, आनंदित और गर्वित। उस क्षण उनके मन में बचपन की सारी यादें उमड़ पड़ीं। उन्हें याद आया चेन्नई का वह दो कमरों वाला घर, जिसकी दीवारें पुरानी थीं एक ऐसा घर जहाँ फ्रिज भी नहीं था। उनके पिताजी इलेक्ट्रिकल इंजीनियर थे, घर पर सर्किट डाइग्राम लाकर तार जोड़ते रहते। बच्चों के लिए खिलौने नहीं ला सकते थे, इसलिए टूटे हुए रेडियो लाते, ताकि उनसे कुछ सीख सकें। सुंदर घंटों उनसे सवाल करते रहते। उनकी माँ चावल के दानों से गणित सिखाती थीं।

जब सुंदर का कॉलेज में दाख़िला हुआ, तो उनकी माँ ने अपनी शादी की चूड़ियाँ बेच दीं सिर्फ फीस भरने के लिए। किसी को कुछ नहीं बताया बस इतना कहा, हम संभाल लेंगे। स्कूल में सुंदर शांत स्वभाव के थे कभी गुस्से में नहीं आते, लेकिन बेहद जिज्ञासु थे। उनके शिक्षक कहते सुंदर की याददाश्त अद्भुत है एक बार नंबर या कोड याद कर लें, तो कभी भूलते नहीं।कभी-कभी सहपाठी उनके फटे जूतों या साधारण टिफिन का मज़ाक उड़ाते वह बस मुस्कराकर आगे बढ़ जाते। गर्मियों की रातों में जब बिजली चली जाती और पंखे बंद हो जाते, तो सुंदर और उनके भाई ज़मीन पर पसीने में भीगे लेट जाते। उनकी माँ घंटों कार्डबोर्ड से हवा करतीं, खुद नहीं सोतीं फिर सुबह उठकर खाना बनातीं और काम पर जातीं। जब सुंदर को अमेरिका में स्कॉलरशिप मिली, तो उन्होंने सोचा कि शायद जाना मुमकिन नहीं होगा हवाई यात्रा बहुत महँगी थी। लेकिन माँ ने कहा, तू जा। मैं बैंक से बात करूंगी। पर उन्होंने बैंक नहीं गई। बल्कि अपना आख़िरी सोने का गहना बेच दिया। और आज दिल्ली के सबसे प्रतिष्ठित सभागार में, वह प्रधानमंत्री के साथ मंच पर खड़े थे अपनी माँ के साथ। उस पल सुंदर की आँखों के सामने सारी दुनिया धुंधली हो गई। सिर्फ माँ की साँसों की गर्माहट और उनके हाथ का स्पर्श महसूस हो रहा था। पत्रकारों ने प्रधानमंत्री और टेक टाइटन पर कई लेख लिखे लेकिन सुंदर की स्मृति में जो पल हमेशा के लिए बस गया। वह वह था जब रात को होटल में उनकी माँ ने उनका हाथ थामा। जैसे बचपन में थामती थीं और कहा तूने कभी भुलाया नहीं, बस मेरे लिए इतना ही बहुत है। जिस पर सुंदर ने जवाब दिया माँ, हम कभी कैसे भूल सकते हैं।

क्योंकि आपने कभी कुछ माँगा ही नहीं।

यूएस फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव, ट्रंप की टैरिफ नीति से विकास दर भी थमी

वॉशिंगटन, एजेंसी। यूएस फेडरल रिजर्व ने गुरुवार सुबह अपनी बेंचमार्क ब्याज दरों को 4.25-4.50 प्रतिशत पर बरकरार रखा और कोई बदलाव नहीं किया। इससे साफ है कि अमेरिका ने बदलते आर्थिक परिदृश्य में सतर्कता बरती है। फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि ब्याज दरों को स्थिर रखने का फैसला अधिक रोजगार और स्थिर मुद्रास्फीति के दोहरे लक्ष्य का समर्थन करना है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने अपने बयान में कहा कि वह ब्याज दरों में कोई और बदलाव करने से पहले आने वाले डेटा, आर्थिक दृष्टिकोण और जोखिमों के संतुलन का आकलन करेगी। फेड के आर्थिक अनुमानों के अनुसार, इस वर्ष जीडीपी वृद्धि का औसत पूर्वानुमान 1.4 प्रतिशत और अगले वर्ष के लिए 1.6 प्रतिशत है। ये मार्च में किए गए अनुमानों से थोड़ा कम है। पिछले वर्ष अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, टैरिफ से पहले व्यवसायों द्वारा आयात बढ़ाने के कारण पहली तिमाही में जीडीपी में थोड़ी गिरावट आई।

हालांकि, निजी घरेलू अंतिम खरीद (पीडीएफपी), जिसमें शुद्ध निर्यात, इन्वेंट्री और सरकारी खर्च शामिल नहीं हैं, पहली तिमाही में 2.5 प्रतिशत की स्वस्थ दर से बढ़ी। मुद्रास्फीति पर, पॉवेल ने कहा कि मुद्रास्फीति अभी भी फेड के 2 प्रतिशत लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। औसत अनुमान में मुद्रास्फीति 2026 में 2.4 प्रतिशत और 2027 तक 2.1 प्रतिशत तक घटने की उम्मीद है। फेड ने व्यापार, आव्रजन, राजकोषीय और नियामक परिवर्तनों की अनिश्चितता को भी स्वीकार किया।

मध्य पूर्व में तनाव के बाद एशियाई शेयरों में गिरावट

मध्य पूर्व में संघर्ष को लेकर चिंता बनी रहने के कारण गुरुवार को एशियाई शेयरों में गिरावट आई। तनाव को बढ़ाते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल के साथ संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने की संभावना की चेतावनी दी, जबकि ईरान के सर्वोच्च नेता ने आत्मसमर्पण के अमेरिकी आह्वान को खारिज कर दिया। इससे संघर्ष लंबा खिंचने की आशंका बढ़ गई है। एशियाई कारोबार में, जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 0.7 प्रतिशत गिरकर 38,619.17 पर आ गया। जापान की निप्पॉन स्टील कॉर्प के शेयरों में 0.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हांगकांग का हैंग सेंग तकनीक से संबंधित शेयरों की भारी बिक्री के कारण 2 प्रतिशत गिरकर 23,231.48 पर आ गया, जबकि शंघाई कंपोजिट 0.9 प्रतिशत गिरकर 3,359.78 पर आ गया। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 8,528.30 पर थोड़ा बदला और दक्षिण कोरिया में कोस्पी 0.4 प्रतिशत गिरकर 2,960.81 पर आ गया।

आत्मनिर्भरता और आत्म गौरव का प्रभावी माध्यम ग्रामीण पर्यटन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

241 होम-स्टे का किया वर्चुअल लोकार्पण, प्रदेश में पर्यटकों के लिए आरंभ होगी हेलीकॉप्टर सेवा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण पर्यटन आत्मनिर्भरता और आत्म गौरव का प्रभावी माध्यम है। ग्राम स्तर पर पर्यटन गतिविधियों से जहां युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक उन्नति के अवसर उपलब्ध होते हैं, वहीं पर्यटन गतिविधियां, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, तीज-त्योहार-पर्व और खानपान को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी सहायक होती हैं। प्रदेश में विकसित हो रहे होम-स्टे भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के ÷अतिथि देवो भव÷ के भाव को चरितार्थ करने का माध्यम बन रहे हैं। होम-स्टे संचालनकर्ता और राज्य सरकार का यह प्रयास है कि प्रदेश में आने वाले सभी अतिथि प्रदेश के बारे में सकारात्मक छवि और अच्छी स्मृतियां साथ लेकर जाएं। पर्यटन के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य विभाग आदि समन्वित रूप से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में तीर्थाटन की परंपरा सदियों से रही है। दुनिया के लोग शौक और आनंद के लिए घर से निकलते हैं, वहां भारत के लोग चारधाम की मोक्ष यात्रा पर निकलते हैं जहां वे सनातन सांस्कृतिक मूल्यों को आत्मसात करते हुए अन्य प्रदेशों की विविध जीवनशैली और परंपराओं से परिचित होते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारतीय मूल्यों के अनुरूप परस्पर विश्वास की भावना को बढ़ा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बावजूद भी देश प्रगति पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण रंग पर्यटन संग राज्य स्तरीय उत्सव को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण पर्यटन पर केंद्रित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्रामीण रंग पर्यटन संग उत्सव के अंतर्गत विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों और संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही चाक पर मिट्टी की कलाकृतियां भी बनाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के रेस्पॉन्सिबल

टूरिज्म मिशन के लिए डेडिकेटेड माइक्रो वेबसाइट लॉन्च की और प्रदेश के विभिन्न गांवों में निर्मित 241 होम-स्टे का वर्चुअल लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में 2020 की तुलना में 2024 में 526 प्रतिशत अधिक पर्यटक आए। ओरछा, खजुराहो के अलावा प्रदेश में कान्हा, पेंच और बांधवगढ़ आने वालों की संख्या बढ़ी है। देश के 5 सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय उद्यानों में यह तीनों स्थान शामिल हैं। देश के राष्ट्रीय उद्यानों में कान्हा को शीर्ष स्थान मिला है। दुनिया में सबसे ज्यादा टाइगर (बाघ) भारत और भारत में सबसे ज्यादा टाइगर मध्यप्रदेश में हैं। यह प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय है। प्रदेश में गिद्ध, मगरमच्छ, घड़ियाल सहित कई वन्यप्राणी भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर लगभग 241 होम-स्टे शुरू करना एक अभिनव प्रयास है। बांधवगढ़, कान्हा और पेंच राष्ट्रीय उद्यानों सहित अन्य जिलों के पर्यटन स्थलों पर होम-स्टे शुरू हो गए हैं। जहां पर्यटकों को ग्रामीण परिवेश, पारंपरिक भोजन, स्थानीय संस्कृति और गीत-संगीत का आनंद मिल रहा है।

पर्यटन एवं संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भावसिंह लोधी ने बताया कि पिछले साल 13 करोड़ 41 लाख से ज्यादा पर्यटकों का आगमन प्रदेश की धरती पर हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में पर्यटन विभाग नवाचारों के साथ पर्यटन को प्रोत्साहन दे रहा है। प्रदेश के 121 गांवों को चयनित कर 241 होम-स्टे तैयार करने का कार्य किया है। सरकार ने 1000 होम-स्टे बनाने का लक्ष्य तय किया है। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्रामों को चिन्हित किया गया। गर्व का विषय है कि इन ग्रामों में पन्ना जिले के ग्राम मडला, निवाड़ी के लाड़पुरा खास और सीधी जिले के ग्राम खास को भी सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में हमारा लक्ष्य है कि विलेज टूरिज्म को बढ़ाते हुए हर ग्रामीण आत्मनिर्भर बने और मध्यप्रदेश पर्यटन में देश में नंबर-1 बने, इस दिशा में कार्य जारी है।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। हर सेक्टर की विशेषताओं (यूएसपी) को देखते हुए नागरिकों को प्रशिक्षित कर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। टूरिज्म को गति प्रदान करने में होम-स्टे एक अभिनव प्रयास है।

प्रमुख सचिव पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ला ने रेस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पर्यटन निगम, मिशन मोड में ग्रामीण परिवेश में होम-स्टे बनाने, ग्रामीणों को आतिथ्य का प्रशिक्षण देने और सुविधाएं विकसित करने जैसे कार्य कर रहा है। दस हजार महिलाओं को हॉस्पिटेलिटी की ट्रेनिंग दी गई है। साथ ही स्व-सहायता समूह की महिलाएं और कारीगर कलाकृतियां तैयार कर रहे हैं, जिन्हें पर्यटक खरीदकर साथ लेकर जाते हैं और इन कृतियों के लिए देशभर के प्रतिष्ठित होटल्स से ऑर्डर मिल रहे हैं। गांव में टूरिज्म को बढ़ाने में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का सहयोग भी टूरिज्म बोर्ड को मिल रहा है।

कार्यक्रम में अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, भोपाल नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, प्रमुख सचिव ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी सहित जिलों के कलेक्टर एवं वरिष्ठ अधिकारी सहित विभिन्न जिलों के प्रतिभागी और संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पर्यटन को बढ़ावा देने हुए एमओयू

कार्यक्रम में ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए सिग्निफाइंग और टूरिज्म बोर्ड के बीच 61 गांवों में एलईडी एवं सोलर लाइट्स लगाने के लिए एमओयू का आदान प्रदान किया गया। साथ ही स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी और टूरिज्म बोर्ड के बीच फिल्म निर्माण एवं डिजिटल प्रमोशन के लिए एमओयू और एमपी टूरिज्म बोर्ड एवं एमपीएसईडीसी के बीच एमओयू का आदान-प्रदान किया गया।

टूरिज्म को भी मिलेगा वेलनेस समिट का लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जल्द ही उत्तराखंड की तर्ज पर स्टेट टूरिज्म बोर्ड के माध्यम से पर्यटकों के लिए हेलीकॉप्टर सर्विस शुरू की जाएगी। प्रदेश सरकार ने पर्यटकों के लिए वेलनेस सुविधाएं बढ़ाने के लिए समिट की है। वे यहां आएंगे तो उन्हें वन्य जीव पर्यटन, धार्मिक पर्यटन के साथ स्वास्थ्य सुविधाएं भी मिलेंगी। इससे प्रदेश का मेडिकल टूरिज्म बढ़ेगा और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। प्रदेश टूरिज्म बोर्ड अपने दम पर विकास के पथ पर अग्रसर है। टूरिज्म बोर्ड के प्रचार-प्रसार के लिए तैयार की गई फिल्में अद्भुत थीं। नए सिरे से इनके उपयोग के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए। मध्यप्रदेश पर्यटन क्षेत्र में भारत ही नहीं दुनिया में शीर्ष स्थान प्राप्त करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होम-स्टे संचालकों से किया संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होम-स्टे निर्माण में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने वाले नर्मदापुरम, आगर, छतरपुर, निवाड़ी, मुरैना, सीहोर, सीधी और पन्ना सहित 10 जिला कलेक्टरों को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के 37 जिलों में होम-स्टे निर्मित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिलों में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ाने में सहयोग प्रदान करने के लिए 16 ग्राम पंचायतों के सरपंच और डीएटीसीसी सहित संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा समेत अन्य जिलों के होम-स्टे संचालकों से संवाद भी किया।

11 लोगों को को प्रतिभूति बाजारों से प्रतिबंधित कर दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। सेबी ने आईआईएफएल सिक्योरिटीज के पूर्व निदेशक संजीव भसीन और 11 अन्य लोगों को मंगलवार को प्रतिभूति बाजारों से प्रतिबंधित कर दिया। यह कार्रवाई टीवी चैनलों और सोशल मीडिया मंचों पर स्टॉक संबंधी सुझाव देने से जुड़े मामले में शेयरों की हेराफेरी में शामिल होने पर की गई है। 11.37 करोड़ की अवैध ढंग से अर्जित आय भी लौटाने का निर्देश दिया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 149 पन्नों के आदेश में कहा, भसीन टीवी चैनलों पर नजर आने वाले मशहूर अतिथि विशेषज्ञ थे। सोशल मीडिया पर भी बड़ी संख्या में फॉलोअर हैं।

57 आईएएस अधिकारियों के तबादले

रांची। झारखंड सरकार ने कल देर रात एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल में 57 आईएएस अधिकारियों के तबादले आदेश जारी किए हैं। इस ट्रांसफर से पोस्टिंग का इंतजार कर रहे अधिकारियों को नया दायित्व मिला है। तबादला सूची में अमिताभ कौशल,राजेश कुमार शर्मा और नेहा अरोड़ा समेत कई तेजतर्रार अफसरों के नाम शामिल हैं। सूची में आधा दर्जन से अधिक अफसरों को अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। इन अफसरों में अमिताभ कौशल का नाम सबसे ऊपर है। इन्हें उत्पाद सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।राजेश कुमार शर्मा को नागरिक सुरक्षा आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अरवा राजकमल को झारखंड राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

तबादला सूची में अमिताभ कौशल सचिव, उत्पाद का अतिरिक्त प्रभार, राजेश कुमार शर्मा नागरिक सुरक्षा आयुक्त, झारखंड, अरवा राजकमल खान आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार, ए.दोड्डे विशेष सचिव, राजस्व विभाग, राजेश्वरी बी. निदेशक, पंचायती राज, शशि प्रकाश झा अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, शेखर जमुआर निदेशक, खेलकूद, रविशंकर शुक्ला उत्पाद आयुक्त, नेहा अरोड़ा विशेष सचिव, स्वास्थ्य विभाग, संदीप सिंह विशेष सचिव, वित्त विभाग, संजीव कुमार बेसरा परिवहन आयुक्त, अक्षय कुमार सिंह विशेष सचिव, योजना एवं विकास विभाग, कुमुद सहाय निदेशक, सांख्यिकी निदेशालय, रविरंजन कुमार विक्रम श्रमायुक्त, मनोहर मरांडी विशेष सचिव, नगर विकास विभाग,घोलप रमेश गोरख विशेष सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, सूरज कुमार सीईओ, स्मार्ट सिटी, सूडा निदेशक, आदित्य कुमार आनंद निदेशक पशुपालन, जीशान कमर निदेशक, गव्य विकास, मृत्युंजय कुमार वर्णवाल सीईओ, जलछाजन मिशन, किरण कुमार पासी सीईओ, तेजस्विनी परियोजना, अजय कुमार सिंह अपर सचिव, अनुसूचित जनजाति एवं कल्याण विभाग, नैंसी सहाय निदेशक, नगरीय प्रशासन, सुशांत गौरव नगर आयुक्त, रांची, कुलदीप चौधरी आदिवासी कल्याण आयुक्त, भोर सिंह यादव निदेशक, कृषि, शशि रंजन निबंधक, सहयोग समितियां, वरुण रंजन जियाडा एमडी का अतिरिक्त प्रभार, मनोज कुमार रंजन निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, झारखंड, सुधीर बाड़ा निदेशक, उच्च शिक्षा, संदीप कुमार सचिव, जेपीएससी,राजकुमार गुप्ता अपर सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, माधवी मिश्रा निदेशक, उद्यान, अनन्य मित्तल सीईओ, जेएसएलपीएस, जाधव विजया नारायण राव पर्यटन निदेशक, कर्ण सत्यार्थी जमशेदपुर के बंदोबस्त पदाधिकारी का अतिरिक्त प्रभार, मेघा भारद्वाज निबंधन महानिरीक्षक, गरिमा सिंह झारक्राफ्ट एमडी, हिमांशु मोहन संयुक्त सचिव, गृह विभाग, विशाल सागर निदेशक, उद्योग, लोकेश मिश्रा परीक्षा नियंत्रक, जेपीएससी, विजय कुमार सिन्हा निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, बाघमारे प्रसाद कृष्ण अपर निदेशक, रिम्स, समीरा एस. पलामू में बंदोबस्त पदाधिकारी का अतिरिक्त प्रभार, दीपक कुमार दुबे डीडीसी, गोड्डा, सौरभ कुमार भुवानिया डीडीसी, रांची, जावेद हुसैन डीडीसी, पलामू, आलोक कुमार डीडीसी, खूंटी, रवि जैन डीडीसी, कोडरमा, दीपांकर चौधरी डीडीसी, सिमडेगा, आशीष अग्रवाल डीडीसी रामगढ़, अनिकेत सचान डीडीसी, दुमका, पीयूष सिन्हा डीडीसी, देवघर, रीना हांसदा डीडीसी, सरायकेला खरसावां, शताब्दी मजूमदार डीडीसी, बोकारो ,सैय्यद रियाज अहमद डीडीसी, लातेहार, ओम प्रकाश गुप्ता एसडीओ, हुसैनाबाद को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

न्यायालय की सख्ती...

अवैध नोटरी करने वालों पर होगी पुलिस कार्रवाई

- जिला सत्र न्यायाधीश ने जारी किया स्पष्ट निर्देश
- शिकायतों पर तुरंत होगी कानूनी कार्यवाही

सोशल जस्टिस, भोपाल

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशों के बाद अब जिला न्यायालय भी अवैध नोटरी गतिविधियों पर गंभीरता से कार्रवाई के लिए मैदान में उतर आया है। भोपाल जिला एवं सत्र न्यायालय कार्यालय ने एक विशेष ज्ञापन जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि ऐसे सभी नोटरी अधिकारी जो निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहे हैं या बिना नियुक्ति के नोटरी कार्य कर रहे हैं, उनके खिलाफ अब पुलिस व कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

ज्ञापन में कहा गया है कि कई मामलों में स्टाम्प विक्रेता, फोटोस्टेट दुकानदार, यहां तक कि ऑनलाइन दस्तावेज तैयार करने वाले लोग भी अवैध रूप से नोटरी का कार्य कर रहे हैं, जिससे दस्तावेज़ों की वैधता और आमजन की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हो रहा है।

न्यायालय की प्रमुख हिदायतें

नियुक्त सभी नोटरी अधिकारी ही विधिसम्मत नोटरी कार्य करें। बिना अधिकृत नियुक्ति के यदि कोई व्यक्ति नोटरी करता है, तो उसे गंभीर अपराध माना जाएगा।

ऐसी शिकायतें मिलने पर संबंधितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई व पुलिस कार्यवाही की जाएगी।

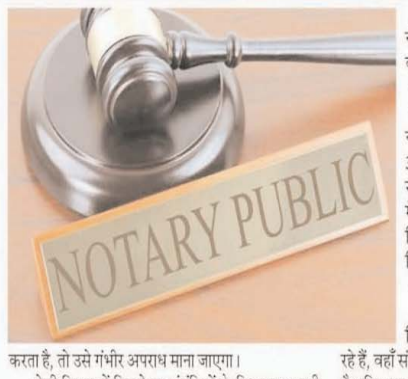

जिला न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि अवैध नोटरी से संबंधित शिकायतें मिलते ही कठोर कदम उठाए जाएँगे।

पृष्ठभूमि

यह आदेश विधि और विधायी कार्य विभाग द्वारा 30 मई 2025 को जारी किए गए परिपत्र के संदर्भ में जारी किया गया है, जिसमें समूचे प्रदेश में अवैध नोटरी गतिविधियों की शिकायतों पर चिंता जताते हुए पुलिस को कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।

न्यायिक संदेश

जिन जिलों में अवैध नोटरी के मामले सामने आ रहे हैं, वहाँ संबंधित अधिकारियों को तुरंत सतर्क होकर वैधानिक प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए ताकि विधि की गरिमा बनी रहे।

आधुनिकता की अंधी दौड़ ने प्रकृति के इन तत्वों में छेड़छाड़ की: नितेश शर्मा

फलदार पौधों का वितरण कर दिया पौध संरक्षण का संदेश

बस्ती। विश्व युवक केंद्र नई दिल्ली व युवा विकास समिति बस्ती द्वारा चलाये जा रहे पर्यावरण जागरूकता माह के तहत प्रेस क्लब बस्ती के सभागार में सेमिनार और गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि नितेश शर्मा नें मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि ने प्रकृति को मां स्वरूपा बताते हुए कहा कि हमारे जीवन में प्रकृति द्वारा प्रदत्त विभिन्न वरदान जल वायु आकाश पृथ्वी तथा अग्नि द्वारा संतुलन बना हुआ है। लेकिन मनुष्य की आधुनिकता की अंधी दौड़ ने प्रकृति के इन तत्वों में छेड़छाड़ की है। जिसके कारण उसे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने जल प्रदूषण, भूमि प्रदूषण वनोन्मूलन, प्लास्टिक का आतंक आदि विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला साथ ही भारतीय दर्शन द्वारा इन समस्याओं का निदान भी बताया।

सीनियर प्रोग्राम मैनेजर प्रशांत द्विवेदी नें कहा कि प्रतिवर्ष विश्व पर्यावरण दिवस को एक विशेष थीम के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। इस बार की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को मात दें तय की गई है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण

पृथ्वी को घातक प्रभावों जलवायु परिवर्तन का संकट, प्रकृति, भूमि और जैव विविधता का नुकसान, तथा प्रदूषण और कचरे का संकट जैसे प्रभावों को बढ़ावा देता है।

डॉ. नवीन सिंह नें कहा की इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले वायु व प्लास्टिक प्रदूषण आदि समस्याओं का निराकरण कराना है। हम लोगों को आधुनिकता व भौतिकवादी सोच को दर किनार करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए धरातल पर कार्य करना चाहिए। पर्यावरण और प्राणी एक दूसरे पर आश्रित हैं, पेड़-पौधों से हम सभी को प्राणवायु प्राप्त होती है। पेड़-पौधों के बिना मानव जीवन संभव नहीं है।

बृहस्पति कुमार पाण्डेय नें कहा कि पेड़-पौधों से हमें छाया, लकड़ी, फल, फूल, मेवा व दुर्लभ औषधियां आदि तमाम वनस्पतियां प्राप्त होती हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जब हम जमाने से विदा लेंगे तो एक पेड़ लेकर जलेंगे। अभी वक्त है पौध रोपण कर हम धरती का कर्ज उतार दें। इस दौरान मौजूद करीब सौ लोगों को आम, अमरुद, मौसमी, आंवला, कटहल और तुलसी के करीब तीन सौ पौधे वितरित कर उन्हें पौध रोपण के पश्चात सुरक्षा का संकल्प भी दिलाया गय। इस दौरान राधेश्याम चौधरी, अनुराग श्रीवास्तव, डॉ वीरेंद्र तिवारी,अवधेश पाण्डेय, मंगला मौर्य, अक्षत पाण्डेय, हर्ष देव पाण्डेय, राममूर्ति मिश्र, कामना पाण्डेय, नीलम मिश्र, सौरभ तुलस्यान, नवल किशोर, संतोष तिवारी, श्रवण कुमार, विजेंद्र बहादुर पाल, वेदान्त सिंह, विजय कुमार, राम नाथ किरन जायसवाल, बबली शर्मा, सार्थक शर्मा, अरुण कुमार सहित अनेकों लोग मौजूद रहे। पतंजलि योगपीठ और भारत स्वाभिमान से गरुन्ध्वज पाण्डेय नें हरित योग पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया और कहा की विश्व योग दिवस पर सभी लोग योग प्रोटोकाल का पालन करते हुए योग शिविरों में शामिल हों। इंडियन योग एसोसिएसन के डॉ नवीन सिंह नें 21 जून को किसान पीजी कालेज में आयोजित होने वाले योग शिविर में लोगों से शामिल होने की अपील की।

मुख्यमंत्री आप देवगढ़ तो आइए स्वादिष्ट भोजन कराएंगे: कविता धुर्वे

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह एवं सी.ई.ओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार को किया सम्मानित

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश के ग्रामीण पर्यटन को नई दिशा देने वाले छिंदवाड़ा जिले के लिए बुधवार का दिन गौरवपूर्ण रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में म.प्र.टूरिज्म बोर्ड द्वारा आयोजित ग्रामीण रंग-पर्यटन संग कार्यक्रम के दौरान छिंदवाड़ा जिले के देवगढ़ में विकसित होम स्टे का वर्चुअल लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने होम स्टे संचालिका हितग्राही कविता देवी सिंह धुर्वे से संवाद करते हुए मुस्कुराते हुए पूछा–जब हम देवगढ़ आएंगे, तो क्या हमें भी स्वादिष्ट भोजन मिलेगा। इस पर कविता धुर्वे ने आत्मविश्वास के साथ हाँ में उत्तर दिया, जिससे पूरे सभागार में एक आत्मीय माहौल बन गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के साथ ही मंत्री विश्वास सारंग, मंत्री कृष्णा गौर और राज्य शासन एवं पर्यटन बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह एवं सी.ई.ओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार को किया सम्मानित

ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने में बहुमूल्य सहयोग और शत-प्रतिशत होम स्टे निर्माण का लक्ष्य पूरा करने पर कलेक्टर शीलेंद्र सिंह को राज्य स्तरीय विशेष सम्मान से नवाज़ा गया है। साथ ही ग्रामीण पर्यटन परियोजना के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर छिंदवाड़ा जिले की जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (डी.ए.टी.सी.सी.) को भी सम्मानित किया गया है, यह सम्मान परिषद के सचिव, सीईओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार को प्रदाय किया गया है। कलेक्टर श्री सिंह के नेतृत्व और सतत निगरानी से जिले में दर्जनों होम स्टे समय पर तैयार होकर सुचारु रूप से संचालित हो रहे हैं। इन होम स्टे में पर्यटकों को न केवल स्वच्छ आवास और स्वादिष्ट स्थानीय भोजन मिल रहा है, बल्कि जनजातीय संस्कृति, हस्तशिल्प और ग्रामीण जीवनशैली का भी अद्वितीय अनुभव प्राप्त हो रहा है।

वर्चुअल कार्यक्रम में ये थे उपस्थित

देवगढ़ में आयोजित वर्चुअल लोकार्पण समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति रही। इनमें प्रभारी एडीएम अंकिता त्रिपाठी, एसडीएम सुधीर जैन, डिप्टी कलेक्टर एवं जनपद सीईओ राहुल पटेल, पर्यटन प्रबंधक गिरीश लालवानी, जिला पंचायत सदस्य श्री मदन गेंदलाल साहू, लालसिंह बिंदू बट्टी, सरपंच बलदेव धुर्वे सहित देवगढ़ के सभी होम स्टे संचालक एवं अनेक गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए।

पात्र हितग्राहियों को ई-केवायसी 30 जून तक कराना अनिवार्य

छिन्दवाड़ा। जिला आपूर्ति अधिकारी छिंदवाड़ा ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत हितग्राहियों को शासकीय उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से खाद्यान्न निरंतर प्राप्त होता रहे, इसलिये सभी पात्र हितग्राहियों को ई-केवायसी कराना अनिवार्य है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत सम्मिलित शेष रहे हितग्राहियों के ई-केवायसी 30 जून 2025 तक करने के निर्देश राज्य शासन द्वारा दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि ई-केवायसी के लिये चलाये जा रहे विशेष अभियान की अंतिम तिथि 30 जून नियत है। ई-केवायसी नहीं होने के कारण जिन हितग्राहियों के राशन सामग्री पर रोक लगाई गई है, उन हितग्राहियों से अपील की जाती है कि वे संबंधित शासकीय उचित मूल्य दुकान पर उपस्थित होकर ई-केवायसी कराते हैं तो उस समय से ही उन्हें पात्रता के अनुसार राशन सामग्री प्रदाय की जायेगी।

कांग्रेस सेवादल व शहर कांग्रेस ने मनाया बलिदान दिवस

छिन्दवाड़ा। कांग्रेस सेवादल एवं शहर कांग्रेस के द्वारा वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का बलिदान दिवस मनाया। कांग्रेस

सेवादल ने स्थानीय शहिद स्मारक पर व शहर कांग्रेस ने स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस के वक्ताओं ने कहा कि लक्ष्मीबाई प्रथम स्वाधीनता संग्राम 1857 की अंगदूत के रूप में अपनी असाधारण वीरता और साहस से राष्ट्रभक्ति का एक नया अध्याय लिखा। मातृभूमि के प्रति प्रेम और अपने ओजस्वी विचारों, नारी शक्ति और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध क्रांति का प्रतीक बनीं। स्वाधीनता संस्कृति की रक्षा एवं स्वाभिमान के लिए उनका अमर बलिदान अनंत काल तक जनमानस को प्रेरित करता रहेगा।

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस जागरूकता कार्यक्रम 21 को

छिन्दवाड़ा। प्र.क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी रामसहाय प्रजापति ने बताया कि प्रादेशिक कार्यालय भोपाल के निर्देशानुसार केन्द्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार छिन्दवाड़ा द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम 21 जून 2025 को प्रातः 7 बजे से मिशन प्राथमिक शाला नागपुर रोड में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने जिले के आम जनों से सहभागिता के लिए

21 को हर्षोल्लास से मनाया जाएगा नकुलनाथ का जन्मदिन

छिन्दवाड़ा। जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ का जन्मदिन प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित जिले की समस्त विधानसभाओं व ब्लॉकों में समारोह पूर्वक मनाया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर राजीव कांग्रेस भवन में एक बैठक का आयोजन किया गया आयोजित बैठक में कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। दिनांक 21 जून को नकुलनाथ के जन्मदिवस पर मुख्य समारोह राजीव कांग्रेस भवन में सम्पन्न होगा।

किसानों को सोसाइटियों से नकद में मिले खाद: किसान कांग्रेस

छिन्दवाड़ा। जिला किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष चौधरी पुष्पेन्द्र सिंह ने बताया कि जिले के किसानों को सोसायटियों से नगद में खाद प्रदान नहीं की जा रही है, नगद में खाद नहीं देने से किसानों को परेशानी हो रही है, किसानों को सोसायटियों से नगद में खाद दी जानी चाहिये । किसानों को मक्का लगाने का उपकरण किसानों को अनाप-शनाप दामों पर विक्रय किये जा रहे हैं,उस पर नियंत्रण लगाया जाकर सही दामों पर उक्त कृषि उपकरण किसानों को मिलने चाहिये और प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना भारत एन.पी. के. खाद कृपणा फोरकेम लिमिटेड के नकली खाद की गुणवत्ता और मानकों की शिकायतें प्राप्त हो रही है, इसकी उच्च स्तरीय जांच करवाकर इसके विरुद्ध कार्यवाही की जानी चाहिये । इस हेतु उन्होंने जिला कलेक्टर और उप संचालक कृषि को ज्ञापन प्रेषित है।

मरीज को मिली 45 हजार की आर्थिक सहायता

छिन्दवाड़ा। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने अपनी स्वेच्छानुदान निधि से भव्य यदुवंशी पिता कन्हैया, निवासी ग्राम बुधवार तह. जुन्नारदेव जिला छिंदवाड़ा को 45000 /- की राशि स्वीकृत की गई। सांसद श्री साहू से मुलाकात करते हुए मरीज एवं उनके परिजनों ने उनकी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए ईलाज करने में असमर्थ होने की जानकारी देते हुए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए गुहार लगाई थी। सांसद के प्रयास से सहायता राशि मिलने पर गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीज का अस्पताल में इलाज हो सकेगा। आर्थिक सहायता मिलने पर मरीज और उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और सांसद बंटी विवेक साहू का आभार व्यक्त किया है।

पांढुर्णा कलेक्टर की अध्यक्षता में उद्योगपतियों की बैठक

छिन्दवाड़ा। पांढुर्णा कलेक्टर अजय देव शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय पांढुर्णा के सभाकक्ष में आज जिले के उद्योगपतियों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में अपर कलेक्टर पांढुर्णा, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र छिन्दवाडा, लघु उद्योग संघ के प्रमुख उद्योगपति एवं बोरगांव औद्योगिक क्षेत्र से उद्योगपति/निवेशक उपस्थित हुए। उपस्थित उद्योगपतियों को विभाग के द्वारा औद्योगिक क्षेत्र विकसित किये जाने के लिये लैण्ड बैंक के तहत ग्राम मोरडोंगरी में चिन्हांकित भूमि की जानकारी दी गई। साथ ही एग्रो कॉम्पलेक्स कलमगांव, औद्योगिक क्षेत्र पांढुर्णा तथा एमपीआईडीसी द्वारा संचालित औद्योगिक क्षेत्र बोरगांव की जानकारी प्रदाय कर नवीन निवेश किये जाने के लिये प्रोत्साहित किया गया। बैठक के अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत औद्योगिक इकाईयों द्वारा की जानी वाली कार्यवाही पर चर्चा की गई। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सभी इकाईयों को इकाई परिसर में पौधारोपण कार्य एवं रूफ वाटर हार्वेस्टिंग किये जाने के लिये प्रोत्साहित किया गया। साथ ही जिले में नए संभावित उद्योगों के विकास पर भी चर्चा की गई।

पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपियों को 48 घंटे में पकड़ा

पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की

छिंदवाड़ा। नाबालिग पीड़िता अपने परिजन माता व पिता के साथ थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि आरोपी उमेश यदुवंशी द्वारा माह अक्टूबर 2024 में पीड़िता के घर के पीछे खेत में रात्रि के समय बुरा काम (बलात्संग) किया और आरोपी टिट्टू उर्फ पंचूम वाड़िवा द्वारा जनवरी 2025 में रात्रि के समय पीड़िता के साथ बुरा काम (बलात्संग) किया । फिर माह मार्च 2025 में दोनो आरोपियो ने पीड़िता के साथ गलत काम किये है, जिससे पीड़िता गर्भवती हो गई, जिसकी बात दिनांक 15/06/2025 को अपने माता पिता को बतायी और साथ में लेकर थाना आयी थी । पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना प्रभारी द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये महिला पुलिस अधिकारी के द्वारा पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपीगणो के विरुद्ध बलात्कार, पॉक्सो एक्ट व एससीएसटी एक्ट विभिन्न धाराओ में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया

गया । प्रकरण के गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये छिंदवाड़ा पुलिस अधीक्षक श्री अजय पाण्डे के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता व अनुविभागीय अधिकारी(पुलिस) जुन्नारदेव श्रीमती प्रियंका पाण्डे के कुशल मार्गदर्शन में टीम का गठन किया गया उक्त टीम ने थाना प्रभारी नवेगांव उपनिरी. महेन्द्र शाक्य एवं थाने के हमराह स्टाफ के साथ आरोपियो की गिरफ्तारी के लिये रवाना किया गया जिसमें टिट्टू उर्फ पंचूम को तीन इमली चौराहा इंदौर से और उमेश यदुवंशी ग्राम निमोटी से तत्काल प्रभाव से हिरासत में लिया गया

गिरफ्तार आरोपी- (1) उमेश पिता मंगिरया यदुवंशी उम्र 20 साल निवासी ग्राम निमोटी थाना नवेगांव जिला छिंदवाड़ा(2) टिट्टू उर्फ पंचूम वाड़िवा उम्र 21 साल निवासी ग्राम सुनारखापा थाना बैतूल बाजार ।

राशन दुकान में घटिया अनाज का वितरण

नगर कांग्रेस अध्यक्ष ने एसडीएम से की शिकायत

परासिया। विधानसभा क्षेत्र के शहर में विभिन्न राशन दुकानों से हितग्राहियों द्वारा धटिया किस्म का आनाज वितरण करने की शिकायत कर रहे हैं हितग्राहियों द्वारा जो गल्ला आनाज दिया जा रहा है जिसमें गेहूं चावल है वह अत्यंत घटिया क्वालिटी का है जो जनावर भी नहीं खा सकते हैं जिसको लेकर नगर कांग्रेस अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह ने एसडीएम महोदय को पत्र लिखा जिसमें कहा कि शहर में हितग्राहियों द्वारा लगातार यह शिकायत की जा रही है कि जो आनाज राशन दुकानों से आनाज दिया जा रहा है वह तीन महिना का दिया जा रहा है वह आनाज चाहे वह गेहूं या चावल हो अत्यंत घटिया स्तर का है गेहूं बहुत ही खराब जिसमें धुन लगा हुआ मिट्टी कंकड़ से भरा हुआ है वहीं चावल भी मिट्टी कंकड़ से ! भरा हुआ है जो कि खानें लायाक नहीं है उन्होंने कहा कि ऐसा आनाज जो कि जानवर भी नहीं खाये कई हितागहियो ने कई जगह आनाज नहीं लिया और राशन दुकानों को वापस लगातार शिकायत के बाद भी राशन दुकानों ने धटिया राशन देना बंद नहीं किया नगर कांग्रेस अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह ने कहा कि भाजपा की सरकार चाहे केंद्र की हो या राज्य की हो उसे जनता से कोई भी सरोकार नहीं है लगातार खराब आनाज जनता को दिया जा रहा है जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ने की संभावना है ।

सीएम राइज स्कूल में छात्राओं से अश्लील सवाल पूछे

सफाईकर्मी ने परिजनों से की मारपीट

छिंदवाड़ा। सीएम राइज सांदीपनि विद्यालय गुरैया में सोमवार को सफाईकर्मी ने छात्राओं से अश्लील सवाल पूछे। आरोप है कि लंच के बाद वह कक्षा में घुसा, दरवाजा-खिड़की बंद की और आपत्तिजनक बातें करने लगा। छात्राओं ने घर जाकर परिजनों को घटना बताई। बुधवार को परिजन स्कूल पहुंचे और आरोपी की पहचान की। इस दौरान आरोपी ने परिजनों से मारपीट कर दी। एक युवक आकाश यादव के सिर में गंभीर चोट आई। परिजनों का आरोप है कि पहले प्राचार्य ने सहयोग नहीं किया।

घटना का पूरा मामला कक्षा 7वीं के छात्र ने बताया, भैया लंच के बाद आए थे टीचर के जाने के बाद उन्होंने दरवाजे और खिड़की बंद कर दिए। फिर कहा कि पेपर में सवालों के जवाब लिखो।

सवाल थे- आपने कभी प्यार किया है? कहां किया- बाथरूम, बेडरूम या क्लासरूम? फिर पूछा- कितने बच्चे हैं आपके ? नंबर चुनने को कहा- 1 से 10 तक। फिर बोलने लगे कि इसकी बीवी कहां है, मजाक उड़ाया।

अभाविप ने किया विरोध प्रदर्शन: घटना की जानकारी मिलने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की टीम स्कूल पहुंची और प्रदर्शन किया। परिषद ने आरोपी को बर्खास्त कर सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन में प्रांत सहमंत्री मोहित डेहरिया समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। घटना के बाद से स्कूल में तनाव का माहौल है। परिजन और स्थानीय लोग आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं।

प्रबंधन ने आरोपी को बर्खास्त किया: विद्यालय के प्राचार्य अब्दुल हक खान ने बताया, छात्राओं से प्राप्त शिकायत को गंभीरता से लिया गया है। संबंधित कर्मी को तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया गया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आरोपी हिरासत में: देहात थाना प्रभारी जीएस राजपूत ने बताया, ÷पीड़ित परिजन की शिकायत पर आरोपी को हिरासत में लिया गया है। छात्राओं से अभद्रता और परिजनों से मारपीट के आरोपों की जांच की जा रही है।

राज्य स्तरीय जूनियर कबड्डी स्पर्धा हेतु खिलाड़ियों का चयन

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश कबड्डी संघ के निर्देशन में नर्मदापुरम जोन कबड्डी संघ द्वारा जोन स्तरीय जूनियर वर्ग प्रतियोगिता का आयोजन 16 जून को टिमरनी में किया गया । इस प्रतियोगिता में होशंगाबाद, हरदा, बैतूल ,नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा ,टिमरनी सहित अन्य जिलों के लगभग 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस जोन स्पर्धा में जिला कबड्डी संघ छिंदवाड़ा की टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया । चयन समिति द्वारा उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु जिला कबड्डी संघ के उमाकांत सनोडिया,अरुण कावरेती ,सम्यक देशत्तार ,जोशुआ मैन्यूअल चयनजोन दल मे किया। राज्य कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन इटारसी में 18 से 20 जून तक किया जाएगा। जोन दल में चयनित खिलाड़ियों को अध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव, राकेश चौरसिया, रीतेश शुक्ला, प्रीति मार्को ,कलशराम मर्सकोले, देवचंद सूर्यवंशी ,नरेंद्र सूर्यवंशी,प्राफुल गायकवाड़, पूजा यादव सहित पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

डॉ. रश्मि नेमा को एलटीबी राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 से सम्मानित

501 एलटीबी स्कैन कर अभियान को दी नई दिशा 7 पूर्व राज्यपाल अनुसुइया उइके के कर-कमलों से सम्मानित

छिंदवाड़ा। भारत सरकार के राष्ट्रीय आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति आयोग द्वारा आयोजित एलटीबी राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 कार्यक्रम में छिंदवाड़ा की आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि नेमा को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें पूर्व राज्यपाल एवं निक्षय मित्र माननीय अनुसुइया उइके जी के कर-कमलों से प्रदान किया गया। डॉ. रश्मि ने छिंदवाड़ा एवं जयपुर में 501 लेटेन्ट ट्यूबरकुलोसिस स्कैन कर एंडएलटीबी अभियान को नई दिशा और गति प्रदान की। उनके द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियानों एवं अथक प्रयासों ने राष्ट्रीय स्तर पर अभियान को मजबूती दी। प्रशस्ति पत्र में उल्लेख किया गया डॉ. रश्मि नेमा को एंडएलटीबी अभियान में उनके अद्वितीय योगदान हेतु यह सम्मान प्रदान किया जाता है। आपने 501 स्कैन कर इस अभियान को नई दिशा दी है। आपकी जागरूकता एवं समर्पण प्रेरणादायक है। इस गरिमामयी अवसर पर जिले के वरिष्ठ अधिकारी, आयुष विभाग के प्रतिनिधि, समाजसेवी दीपक राज जैन (प्रदेश संयोजक, सर्वोदय अहिंसा), अल्का शुक्ला तथा चिकित्सा जगत के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। डॉ. रश्मि नेमा ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार, मार्गदर्शकों और सहयोगियों को देते हुए कहा आयुर्वेद केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि जनकल्याण की भावना है। यदि इसे राष्ट्रीय अभियानों से जोड़ा जाए, तो यह देश को रोगमुक्त बनाने में सशक्त माध्यम बन सकता है। यह सम्मान न केवल छिंदवाड़ा, बल्कि पूरे आयुर्वेद समुदाय के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।

निजी भूमि बडोरा प्लाट की फेंसिंग तार सीमेंट पोल उखाड़ फेंके

न्यायालयीन कार्यवाही के विरुद्ध जाकर प्लाट पर विवाद करने और तार चोरी की एस पी कलेक्टर से की लिखित शिकायत

सांध्य प्रकाश योगेश गुप्ता बैतूल। भूमि माफियाओं का सर्कल अब शहर से लगी कीमती जमीनों विवादित करके भूमि स्वामी पर मानसिक दबाव बनाकर लाभ कमाने का खेल जोरो पर चल रहा है। जिसका मुख्य कारण है कि पुलिस इसे राजस्वं का मामला बताकर पल्ला झाड़ लेती है। हालकि भूमि सबंधी मामलो में पुलिस ने थानों में एक पेटी बॉक्स लगा रखा था। कि भूमि विवाद के मामले थानों में निपटारा किया जा सकेगा। अब पुलिस का दावा अब फेल मान सकते है। ऐसा ही मामला सामने आया है। जिसमें मोती वार्ड सोनाहिल कॉलोनी चक्कर रोड बैतूल निवासी 63 वर्षीय कांग्रेस नेता राजेन्द्र पिता रघुनाथ मालवीय ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने शिकायत में बताया कि उनकी निजी भूमि प्लाट खसरा नंबर 399/5, रकबा 0.101 हेक्टेयर जो कि मौजा बडोरा तहसील व जिला बैतूल में स्थित है। इस पर जानबूझकर कब्जे की नीयत से अनावेदक मनोज पारधे बडोरा निवासी द्वारा तोड़फोड़ की गई है। राजेन्द्र मालवीय ने उक्त भूमि को रूपेश पिता कृष्णकुमार मालवीय सोनाघाटी बैतुल वालो से विधिवत पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय किया था। वर्ष 2013 से काबिज भी है। जिसके आधार पर उन्होंने अपने स्वामित्व की भूमि पर बबूल के 25 से अधिक वृक्ष लगाए

है। तथा फ़िलहाल ही निजी कार्य के लिए ताप्ती नदी से मंगवाकर तीन डम्पर बोल्डर भी डम्प किए हैं। इसके अतिरिक्त सीमांकन आवेदन अनुसार वर्ष 2013 में चारों दिशाओं में सीमेंट पोल गाड़कर कंटीले तारों से फेंसिंग कर रखा था। 14 जून तक सुरक्षित था । कांग्रेस नेता पीड़ित राजेन्द्र के अनुसार उनकी भूमि प्लाट की सीमाएं उत्तर में प्रितेश की भूमि खसरा 399/4, दक्षिण में खसरा 400 और 401पूर्व में विक्रेता की शेष भूमि तथा पश्चिम में आम रास्ते से लगी हुई है। उन्होंने बताया कि अनावेदक मनोज पारधे दक्षिण दिशा की भूमि पर वर्ष 2003 से काबिज है। और मनोज पारधे का उसकी जमीन को लेकर विगत वर्ष कुछ रियल स्टेट कारोबारियों द्वारा अतिक्रमण को लेकर वाद विवाद हुआ था।जिसके संबध में मनोज ने व्यवहार न्यायालय बैतुल में प्रकरण दायर किया था। फिर बाद मे स्वयं ने ही वापस भी ले लिया था। पूर्व ने किये गए सीमांकन के अनुसार राजेन्द्र मालवीय की भूमि का कुछ भाग मनोज पारधे द्वारा अतिक्रमित किया जाना बताया गया है। पीड़ित राजेंद्र ने तहसीलदार और एसडीएम के समक्ष आपत्ति दर्ज की है। बल्कि उन्होंने बैतुल न्यायालय वरिष्ठ खंड में मनोज पारधे और अन्य के विरुद्ध व्यवहार वाद भी दायर किया है। चूँकि मामला विचाराधीन है।

इनका कहना है

राजस्व का मामला है। अनावेदक पक्ष को सीमांकन के आधार पर कब्जा न्यायालय से कब्जा मांगना चाहिए। अवैध कब्जा किया जाना गलत है। आवेदन पर जाँच होगी।

पुलिस थाना बैतुल बजार

मेरे द्वारा सीमांकन करवाया है। लेकिन न्यायालय से कब्जा लेने का आदेश नही है। पीड़ित पक्ष भी अपना सीमांकन करवा सकता है।

मनोज पारधे

संगठन सृजन अभियान में जीतू पटवारी की भागीदारी, कार्यकर्ताओं से किया सार्थक संवाद

विदिशा। आज विदिशा जिले के गंजबासौदा में आयोजित संगठन सृजन अभियान के तहत प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भागीदारी कर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से सीधा संवाद किया। इस अभियान का उद्देश्य संगठनात्मक ढांचे को सशक्त बनाना एवं कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करना है।

पटवारी ने अपने संबोधन में कहा, कार्यकर्ता हमारी रीढ़ हैं। जब तक जमीनी स्तर पर संगठन मजबूत नहीं होगा, तब तक कोई भी लक्ष्य अधूरा है। हमें घर-घर जाकर कांग्रेस की नीति, विचार और संकल्प को जनमानस तक पहुँचाना है।

इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ नेताओं में केंद्रीय पर्यवेक्षक ममता भूपेश , प्रभुसिंह ठाकुर , कुणाल चौधरी , राजेंद्र मालवीय, पूर्व सांसद प्रतापभानु शर्मा , पूर्व मंत्री वीर सिंह रघुवंशी जी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी , एवं पूर्व विधायक निशंक जैन शामिल थे। बैठक में क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने संगठन सशक्तीकरण के लिए अपने विचार साझा किए और आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए जनसंपर्क, संवाद और संगठन विस्तार पर विशेष बल दिया गया।

पटवारी ने कहा कि कांग्रेस का भविष्य कार्यकर्ताओं की मेहनत और आमजन के विश्वास से ही सुरक्षित है। हम सब मिलकर एक न्यायपूर्ण, विकासशील और जनकल्याणकारी व्यवस्था को फिर से स्थापित करेंगे।

जेल में बंद पटवारी हेमंत मित्तल का कर दिया ट्रांसफर, हरकत में आए एसडीएम ने किया सस्पेंड

श्योपुर । मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में एक विवादित ट्रांसफर का मामला सामने आया है, जिसने अधिकारियों की लापरवाही को उजागर किया है। इस मामले में श्योपुर जिले के विजयपुर के पटवारी हेमंत मित्तल का नाम सामने आया है, जो वर्तमान में जेल में बंद हैं। अफसरों ने उनके ट्रांसफर का आदेश जारी कर दिया था, जो बाद में सवालों के घेरे में आ गया।

श्योपुर जिला प्रशासन ने 16 जून को दो अलग-अलग सूची जारी कीं। सूची में जिनमें क्रमशः 9 और 12 पटवारियों के नाम थे। इन सूची में ज्यादातर पटवारियों का तबादला जिले के विभिन्न हिस्सों में किया गया था। लेकिन, सबसे अधिक चर्चा उस समय हुई जब विजयपुर तहसील के पटवारी हेमंत मित्तल का नाम भी इन सूची में था। हेमंत मित्तल को हाल ही में बाढ़ राहत राशि में गड़बड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और वह वर्तमान में जेल में बंद है। हालांकि, जब यह जानकारी सामने आई कि हेमंत मित्तल जेल में बंद हैं, तो अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। तुरंत बाद, एसडीएम विजयपुर ने पटवारी हेमंत मित्तल को सस्पेंड करने का आदेश जारी कर दिया।पटवारी हेमंत मित्तल के जेल में होने की वजह एक बड़े घोटाले से जुड़ी है। 2021 में आई बाढ़ के दौरान राहत राशि का गबन करने का आरोप उनके खिलाफ था। बड़ौदा तहसील में पदस्थ रहते हुए, हेमंत मित्तल ने बाढ़ पीड़ितों को दी जाने वाली राहत राशि में हेरफेर किया था। इस घोटाले का खुलासा होने के बाद, बड़ौदा तहसीलदार ने पटवारी के खिलाफ स्रद्धक्र दर्ज करवाई थी। जांच के बाद पुलिस ने उन्हें दोषी मानते हुए गिरफ्तार कर लिया और जेल भेज दिया।इस मामले में बड़ौदा थाना प्रभारी सत्यम सिंह गुर्जर ने कहा कि बाढ़ राहत राशि में गड़बड़ी से जुड़े मामले में कुल 6 आरोपी थे, जिनमें हेमंत मित्तल भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि हेमंत मित्तल को जेल भेजा गया था और अब उनका नाम तबादला सूची से हटा दिया जाएगा। इसी तरह, भू अभिलेख विभाग के अधीक्षक मुन्ना सिंह गुर्जर ने बताया कि जब पटवारी का तबादला अप्रूव हुआ था, तब वह गिरफ्तारी से बाहर थे। अब चूंकि वह जेल में हैं, उनका नाम सूची से हटा दिया जाएगा।यह घटना प्रशासनिक प्रक्रियाओं में एक बड़ी चूक को उजागर करती है। जब किसी कर्मचारी का तबादला किया जाता है, तो उस प्रक्रिया में उसकी वर्तमान स्थिति का सही आंकलन होना चाहिए। हेमंत मित्तल का नाम तबादला सूची में आना इस बात को दर्शाता है कि किसी समय पर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया था।

सत्यमेव जयते | मध्यप्रदेश शासन | राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047

विश्व सिकल सेल दिवस-2025

राज्य स्तरीय कार्यक्रम

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

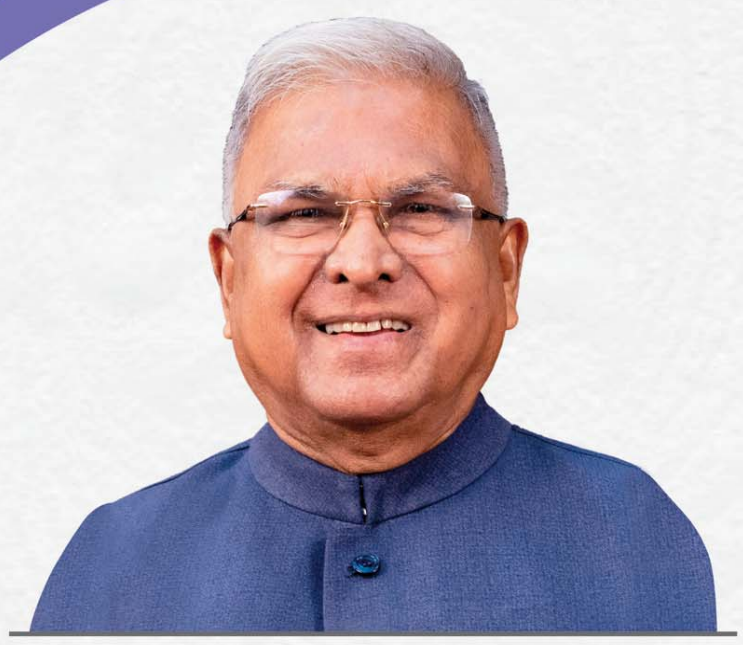

मंगुभाई पटेल, राज्यपाल

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्य अतिथि

मंगुभाई पटेल

राज्यपाल, मध्यप्रदेश

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

19 जून, 2025 । अपराह्न 12:30 बजे

तलुन खेल मैदान, बड़वानी

स्वस्थ भविष्य की ओर मध्यप्रदेश

- जनजातीय बहुल जिलों में एक करोड़ से अधिक स्क्रीनिंग पूर्ण की गई, जिसमें 29,227 सिकल सेल रोगी एवं 2,03,758 सिकल वाहक चिन्हित
- परिवारों की काउंसलिंग कर 80 हजार से अधिक काउंसलिंग कार्ड वितरित
- नेशनल सिकल सेल पोर्टल के माध्यम से स्क्रीनिंग, जांच एवं रोगियों की सतत मॉनिटरिंग
- गर्भावस्था में सिकल सेल रोग की जांच एवं प्रबंधन के विशेष प्रयास एवं नवाचार
- रोगियों को निःशुल्क उपचार, निःशुल्क औषधियां एवं ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सम्पूर्ण व्यवस्था उपलब्ध
- आदिवासी इलाकों में सिकल सेल रोग के प्रति जागरुकता हेतु व्यापक प्रचार- प्रसार
- मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा प्रबंधकीय एवं चिकित्सकीय स्टाफ का निरंतर प्रशिक्षण
- गंभीर इन्फेक्शन से बचने के लिए वैक्सीनेशन की उपलब्धता सुनिश्चित
- सिकल सेल रोगियों के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र/UDID कार्ड/पेंशन योजनाओं का लाभ
- आदिवासी स्कूलों, कॉलेजों, छात्रावासों में निरंतर स्क्रीनिंग, जांच शिविर एवं एन.जी.ओ., स्वयंसेवी संस्थाओं की सहायता से प्रचार-प्रसार

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

D-11046/25